दैनिक

सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-22 अंक-180 सीहोर, रविवार 31 अगस्त 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

जम्मू-कश्मीर के रामबन में बादल फटने से चार लोगों की मौत, एक लापता

रामबन,(ए)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले की राजगढ तहसील में बादल फटा है। इसमें चार लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति लापता है।एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बचाव दल ने प्रभावित क्षेत्र से चार शव बरामद किए हैं और लापता व्यक्ति का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।अधिकारी ने बताया, बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई, जिससे काफी नुकसान हुआ और क्षेत्र में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। एक व्यक्ति अभी भी लापता है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने रामबन के उपायुक्त मोहम्मद अयाज़ खान से घटना के संबंध में बात की है। उन्होंने कहा, राजगढ़ क्षेत्र में बादल फटने से चार लोगों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हो गई। एक व्यक्ति अभी भी लापता है और तलाशी अभियान जारी है। सौभाग्य से, किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। बचाव कार्य जारी है और हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। मैं जिला प्रशासन के लगातार संपर्क में हूं।मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया। उनके कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री ने रामबन के राजगढ़ में भूस्खलन से हुए जान-माल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने प्रशासन को तत्काल बचाव और राहत अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

रियासी के माहोर में भूस्खलन, एक ही परिवार के सात लोगों की मौत

रियासी, (ए.)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की माहोर तहसील के भद्दर गांव में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक घर के ढह जाने से एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई है।अधिकारियों के अनुसार यह घटना शनिवार सुबह हुई जब भूस्खलन ने एक खडी ढलान पर स्थित घर को अपनी चपेट में ले लिया। इससे घर मलबे में दब गया। घटना के समय घर में परिवार के कई सदस्य मौजूद थे।अधिकारी ने बताया कि सात लोग मलबे में दबे हुए थे। पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन के कर्मियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। मलबे में दबे सात लोगों के शव बरामद किए गए हैं। मृतकों की पहचान घर के मालिक नजीर अहमद पुत्र बहार दीन निवासी बद्दर, उनकी पत्नी वजीरा बेगम, बेटे बिलाल अहमद, मोहम्मद मुस्तफा, मोहम्मद आदिल, मोहम्मद मुबारक और मोहम्मद वसीम के रूप में हुई है।

धार्मिक पर्यटन के लिए सर्वाधिक पर्यटक मध्यप्रदेश आए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत अभियान चल रहा है। राज्य सरकार भी इस अभियान में हरसंभव सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पर्यटन विकास को रोजगार से जोडा है। पर्यटन बढता है, तो लोगों को रोजगार के नए-नए अवसर मिलते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि देश में पर्यटन क्षेत्र बहुत तेजी से विकास कर रहा है। इसमें मध्यप्रदेश भी पीछे नहीं है। गत वर्ष धार्मिक पर्यटन के लिए देश में सर्वाधिक पर्यटकों ने मध्यप्रदेश को ही चुना।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छतरपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में मटकी फोड़ कार्यक्रम में सहभागिता की।

7 साल बाद चीन पहुंचे पीएम मोदी, एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत, एससीओ समिट में होंगे शामिल

नई दिल्ली(ए)। अमेरिकी टैरिफ के बाद वैश्विक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। जापान की यात्रा पूरी करने के बाद पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर चीन पहुंच गए हैं। यहां पीएम मोदी तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इससे पहले पीएम मोदी 7 साल पहले चीन गए थे। इस दौरान पीएम मोदी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दो बार द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी का चीन के तियानजिन शहर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। पीएम मोदी चीन में एससीओ समिट में भाग लेंगे। इसके साथ ही व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी के तियानजिन पहुंचने पर उनके स्वागत का वीडियो भी सामने आया है।

राहुल-तेजस्वी की यात्रा में शामिल नहीं हुई ममता, अब भेज रहीं दो नेता

-वोटर अधिकार यात्रा में सीएम स्टालिन और रेड्डी कर चुके हैं शिरकत

पटना,(ए)। बिहार में वोटर लिस्ट को संशोधित करने के लिए चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान चलाया। विपक्षी दलों का आरोप है कि इसके जरिए कई वैलिड वोटर्स के नाम हटाने का काम किया गया। चुनाव आयोग ने इस पर सख्त आपत्ति जताते हुए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। ये सब घटनाक्रम ऐसे वक्त में हुआ, जब बिहार में विधानसभा चुनाव होना है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव समेत विपक्ष के तमाम नेता 'वोट चोरी' जैसा गंभीर आरोप लगा रहे हैं। इन सबके बीच, विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इंडिया ब्लॉक को एकजुट करने की कवायद के तहत राहुल और तेजस्वी की अगुआई में बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाली जा रही है। इस यात्रा में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन और तेलंगान के सीएम रेवंत रेड्डी जैसे नेताओं ने शिरकत की। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी इस यात्रा का हिस्सा बने लेकिन विपक्षी गुट की धाकड़ नेता और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इस यात्रा से दूरी बनाए हुए हैं। बता दें ममता बनर्जी विपक्ष की ताकतवर नेता हैं, ऐसे में वोटर अधिकार यात्रा में उनका शिरकत न करना कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि, अब यह खबर सामने आई है कि सीएम ममता ने इस यात्रा में टीएमसी का प्रतिनिधित्व करने के लिए दो नेताओं को नामित किया है। इनमें यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी हैं। यूसुफ पठान बहरामपुर सीट से सांसद हैं, वहीं ललितेश त्रिपाठी टीएमसी की नेशनल वर्किंग कमेटी के सदस्य हैं। अब ये दोनों नेता वोटर अधिकार यात्रा में ममता बनर्जी की पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भिंड में पेट्रोल पंप पर ताबड़तोड़ फायरिंग, हेलमेट के बिना फ्यूल नहीं दिया तो मार दी गोली

भिंड (ए)। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में पेट्रोल ना देने पर पेट्रोल पंप संचालक पर ताबडतोड फायरिंग का मामला सामने आया है। घटना बरोही थाना क्षेत्र के एनएच 719 पर स्थित सावित्री लोधी पेट्रोल पंप की है। जानकारी के मुताबिक, बाइक सवार युवकों ने हेलमेट नहीं पहना था। इसलिए पेट्रोल पंप नहीं दिया। इससे नाराज युवकों ने अवैध हथियारों से संचालक पर गोली चला दी। हाथ में गोली लगने से पेट्रोल पंप संचालक घायल हो गया। घायल पेट्रोल पंप संचालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हेलमेट के बिना फ्यूल नहीं दिया तो मार दी गोली

दरअसल भिंड जिला कलेक्टर द्वारा बिना हेलमेट पेट्रोल ना देने का आदेश जारी किया गया था। जिसके बाद पेट्रोल पंप संचालकों के लिए यह आदेश जी का जंजाल बन गया है। आये दिन पेट्रोल पंप पर झगडे हो रहे हैं। ताजा मामले में भिण्ड जिले के बरोही थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 719 के पास सावित्री लोधी पेट्रोल पंप पर स्थित है। जहां पर सुबह 4 बजे के लगभग बाइक पर सवार कुछ युवक पेट्रोल डलवाने पहुंचे। लेकिन कर्मचारियों द्वारा हेलमेट न होने पर पेट्रोल देने से मना कर दिया गया। इसके बाद युवकों ने विवाद किया। विवाद के बाद उस समय तो युवक वहां से चले गए लेकिन आधा घंटे बाद हथियारों से लैस होकर आए और पेट्रोल पंप पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

वारदात सीसीटीवी में कैद

फायरिंग की यह घटना पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसमें सात तौर पर देखा जा सकता है कि एक युवक हाथ में माउजर बंदूक लिए हुए हैं तो दूसरे युवक के हाथ में रिवाल्वर है।

1 करोड़ से ज्यादा फर्जी नाम... क्या पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट में गड़बड़ी हुई? स्टडी से बड़ा खुलासा

नई दिल्ली.(ए)। मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर देशभर में सियासी हलचल तेज हो गई है. बीजेपी का आरोप है कि यह महज लापरवाही नहीं, बल्कि विपक्षी दलों की सुनियोजित साजिश है, जिसका मकसद लोकतंत्र को कमजोर करना है. बिहार में चुनावी साल के बीच पश्चिम बंगाल में यह मुद्दा और भी गंभीर हो गया है, जहां ममता बनर्जी की सरकार पर फर्जी वोटरों के सहारे चुनाव परिणाम प्रभावित करने का आरोप लगाया जा रहा है. बीजेपी का कहना है कि बंगाल में फ्री एंड फेयर चुनाव संभव ही नहीं है. इसी महीने आई एक स्टडी रिपोर्ट ने बीजेपी के इन आरोपों को और बल दिया है. रिपोर्ट में सामने आए तथ्य के आधार पर चुनाव आयोग से तुरंत सख्त कार्रवाई की मांग हो सकती है.अगस्त 2025 में आई इस स्टडी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पश्चिम बंगाल की 2024 की वोटर लिस्ट में करीब 1.04 करोड़ फर्जी नाम दर्ज हैं.

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा-ट्रंप हमारे फूफा है, वह टैरिफ लगाकर धमकाने की कोशिश कर रहे है

इंदौर(ए)। विजयवर्गीय ने अपने संबोधन में कहा कि हम स्वदेशी अपना कर दुनिया को झुकाने की ताकत रखते है। हमें स्वदेशी अपनाना होगा। इससे भारत आत्मनिर्भर बन सकता है। उन्होंने कहा कि जितनी अमेरिका की आबादी है। उतने हमारे देश में युवा है।

मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फूफा बताते हुए कहा कि- फूफा ट्रंप टैरिफ लगाकर हमें धमकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमने तय कर लिया तो अमेरिका की नाक में दम कर सकते है। वे एक प्राइवेट स्कूल के युवा संसद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। विजयवर्गीय ने अपने संबोधन में कहा कि हम स्वदेशी अपना कर दुनिया को झुकाने की ताकत रखते है। हमें स्वदेशी अपनाना होगा। इससे भारत आत्मनिर्भर बन सकता है। उन्होंने कहा कि जितनी अमेरिका की आबादी है। उतने हमारे देश में युवा है। यदि वे अपनी सोच व पसंद बदल लें तो अमेरिका को सबक सिखा सकते है।

विदेशी पिज्जा, सैंडविच के बजाए चाय-पोहे खाइए, स्थानीय लोग भी अच्छे पिज्जा व सैंडविच बनाते है। देश के युवा फूफा ट्रंप को झुका सकते है। उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया और कहा कि जो ताकत देश के युवा के पास है, वह और किसी के पास नहीं है।

बेंगलुरु भगदड़ मामला: आरसीबी ने मृतकों के परिवारों को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की

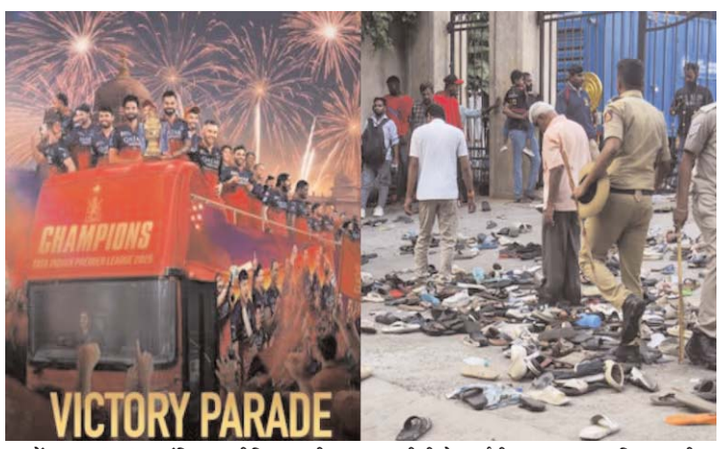

बेंगलुरु (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने उन प्रत्येक पीड़ित परिवारों को 25 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है, जिन्होंने 4 जून को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड में अपनों को खो दिया था। आरसीबी ने शनिवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर इस संबंध में एक बयान जारी किया है। दरअसल, आरसीबी ने आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। टीम ने 3 जून को अहमदबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रन से मात देकर 18 साल के आईपीएल ट्रॉफी के इंतजार को खत्म किया था। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने 4 जून को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में इस जीत का जश्न मनाया था। जश्न के दौरान स्टेडियम के पास भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे।

आरसीबी ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 25 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। आरसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जारी बयान में कहा, 4 जून, 2025 वह दिन है जिसने हमारा दिल तोड़ दिया। टीम ने लिखा कि हमने आरसीबी परिवार के ग्यारह सदस्यों को खो दिया। वे हमारा हिस्सा थे। हमारे शहर, हमारे समुदाय और हमारी टीम को अद्वितीय बनाने वाली चीजो का हिस्सा थे। उनकी अनुपस्थिति हम सभी की यादों में हमेशा रहेगी। कोई भी मदद उनके द्वारा छोड़ी गई खाली जगह को कभी नहीं भर सकती, लेकिन एक कदम के रूप में और गहरे सम्मान के साथ आरसीबी उनके परिवारों को 25-25 लाख रुपये प्रदान करेगी। टीम ने कहा कि यह सहायता केवल वित्तीय सहायता नहीं है, बल्कि करुणा, एकता और निरंतर देखभाल का संकल्प भी है। बयान में कहा गया है कि टीम ने इस कदम को जारी रखने का फैसला किया है, जिसकी शुरुआत प्रशंसकों की स्मृति को सम्मानित करने के साथ हुई थी।

वोटर अधिकार यात्रा भोजपुर पहुंची, अखिलेश भी हुए शामिल, जोरदार हुआ स्वागत

पटना,(ए.)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले वोटर लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) के मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की यात्रा का आज यानी शनिवार को 14वां दिन है। महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा से शनिवार को यूपी के पूर्व सीएम एवं समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव भी जुड़ गए हैं। राहुल-तेजस्वी की यात्रा सुबह छपरा के एकमा से शुरू हुई, जो आरा की बढ़ गई। आरा पहुंचने के बाद यह यात्रा जनसभा में तब्दील हो जाएगी। छपरा से आरा तक राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव समेत इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं के साथ आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्या भी मौजूद रहीं।भोजपुर जिले में बबुरा से आरा तक करीब 30 किलोमीटर तक वोटर अधिकार यात्रा निकली। आरा के वीर कुंवर सिंह मैदान में जनसभा होगी। इसमें राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के अलावा अखिलेश यादव भी संबोधित किया। सारण से भोजपुर जिले के प्रवेश द्वार बबुरा में राहुल-तेजस्वी समेत अन्य नेताओं के स्वागत के लिए हाथी, घोडे और ऊंट मंगाए गए। पारंपरिक गोड नाच समेत अन्य तरीकों से भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद वोटर अधिकार यात्रा पचरुखिया बाजार पहुंची। वहां से दोपहर बबुरा से आगे रास्ते में कहीं पर राहुल और तेजस्वी का काफिला नहीं रुका। हरिपुर मोड़ पर गाड़ी के अंदर बैठे राहुल का चेहरा नजर नहीं आया तो समर्थक मायूस हो गए।

राहुल-गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा आज भोजपुर जिले की 7 में से दो विधानसभा बडहरा और आरा से गुजरी। दोनों क्षेत्रों में बीजेपी का कब्जा है। इस बार महागठबंधन में कांग्रेस ने इन दोनों क्षेत्रों में दावेदारी जताई है। इसलिए राहुल गांधी का दौरा यहां अहम माना जा रहा है।

ग्वालियर पर्यटन कॉन्क्लेव में मिले साढ़े तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने 7 निवेशकों को जारी किये एलओए
-75 करोड़ से अधिक के विरासत कार्यों का हुआ शिलान्यास

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पर्यटन किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती में बड़ी अहम भूमिका निभाता है। पर्यटन से राष्ट्रीय आय तो बढ़ती ही है, साथ ही बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। पर्यटन और तीर्थाटन, ये हमारे देश और विशेषकर मध्यप्रदेश की समृद्धि के प्रमुख प्रवेश द्वार हैं। मध्यप्रदेश, देश का दिल है। प्रदेश की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए ही पर्यटन विकास को विशेष महत्व दिया जा रहा है। राज्य सरकार समावेशी प्रयासों के जरिए समाज के सभी वर्गों को जोड़कर पर्यटन क्षेत्र के विस्तार और संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर पर्यटन कॉन्क्लेव में साढ़े तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 6 निवेशकों को लैटर ऑफ अलॉटमेंट प्रदाय किये गये, इससे 60 करोड़ से अधिक का निवेश और बड़ी संख्या में रोजगार सृजन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को ग्वालियर के राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय रीजनल टूरिज्म कान्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरें विश्व स्तर पर आकर्षण का केंद्र हैं। इनके संरक्षण और प्रचार-प्रसार से प्रदेश न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि 'आत्मनिर्भर, विकसित और समृद्ध भारत' के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आज राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर ग्वालियर में पहली बार रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव हो रहा है। ग्वालियर देश की राजधानी के करीब का क्षेत्र है। यहां राजा मानसिंह तोमर के काल में बना ऐतिहासिक किला दुनिया में पहचान रखता है। इसकी स्थापत्य कला अद्भुत है। बड़े-बड़े सत्ताधीशों को बुरे समय में इसी किले में बंदी बनाकर रखा गया। इस कठिन दौर में ग्वालियर में एक आध्यात्मिक आत्मा का प्रकटीकरण हुआ। मुरैना के मितावली के चौंसठ योगिनी मंदिर के डिजाइन के आधार पर वर्ष 1912 में दिल्ली में संसद भवन का निर्माण हुआ। यह दुनिया भर में लोकतंत्र का सबसे आकर्षक भवन है। अब नए संसद भवन को विदिशा के मंदिर के डिजाइन पर बनाकर तैयार किया गया है। इसमें बना डोम सांची स्तूप की कॉपी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो पहली बार चीता देखते हैं, वो आश्चर्यचकित हो जाते हैं। चीता गांवों में घूमते नजर आते हैं। प्रदेश में मनुष्य और वन्य प्राणियों के बीच सह अस्तित्व और साहचर्य भाव नजर आता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर संगीत सम्राट तानसेन और बैजू बावरा की विरासत है। राजा मानसिंह तोमर संगीत विश्वविद्यालय, ग्वालियर के भवन निर्माण के लिए 50 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है।

भोपाल। नीलबड़ स्थित शिव विहार कॉलोनी में भक्तगण एकत्रित होकर विघ्नहर्ता श्री गणेश जी की आरती करते हुए। छायाचित्र-संदीप पंडा

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्राचीन शास्त्रीय संगीत ध्रुपद के संरक्षण के लिए सामाजिक सेवा बैंकिंग के तहत अनुदान

भोपाल /इंदौर(ए.)। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने आज इंदौर में अपनी कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) यात्रा का एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। यह अवसर न केवल बैंकिंग इतिहास में यादगार बन गया, बल्कि भारतीय शास्त्रीय संगीत के संरक्षण की दिशा में भी एक मील का पत्थर साबित होगा इस अवसर पर चेयरमैन सी. एस. शेट्टी ने भोपाल स्थित ध्रुपद संस्थान न्यास को 97.76 लाख का CSR के द्वारा सहयोग प्रदान किया। यह सहयोग मात्र आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा माने जाने वाले शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को संरक्षित करने का संकल्प है। कार्यक्रम में ध्रुपद परंपरा के विश्वविख्यात स्तंभ, पद्मश्री पंडित उमाकांत गुंदेचा, पखावज वादन के अप्रतिम धुरंधर पंडित अखिलेश गुंदेचा, संस्थान की चेयरपर्सन श्रीमती धानी गुंदेचा तथा सचिव अनंत गुंदेचा विशेष रूप से उपस्थित रहे। भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष श्री शेट्टी ने अपने संबोधन में कहा बैंकिंग केवल वित्तीय लेन-देन नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक और नैतिक धरोहर को सहेजने का माध्यम भी है। ध्रुपद केवल संगीत नहीं, यह भारत की आत्मा की आवाज़ है। भारतीय स्टेट बैंक का यह सहयोग शास्त्रीय संगीत के संरक्षण में एक बहुत छोटा सा प्रयास है जिसे आने वाली पीढियां लाभान्वित हो भोपाल सर्किल ने इस CSR को करके शास्त्रीय संगीत के संरक्षण के क्षेत्र में एक बहुत अच्छा कदम उठाया है ध्रुपद संस्थान की ओर से पद्मश्री उमाकांत गुंदेचा ने भावुक शब्दों में कहा है "SBI ने केवल हमें नहीं, बल्कि भारत की उस हजारों साल पुरानी परंपरा को संबल दिया है, जिसे दुनिया 'ध्रुपद' के नाम से जानती है।

हमीदिया अस्पताल में पहली बार बेरियाट्रिक सर्जरी की गई

भोपाल (आरएनएस)। हमीदिया अस्पताल में पहली बार बेरियाट्रिक सर्जरी की गई। जिसके जरिए मोर्बिड ओबेसिटी और हार्निया से जुड़े गंभीर रोग से पीड़ित महिला का जीवन बचाया जा सका।डॉक्टरों के अनुसार, महिला मोर्बिड ओबेसिटी यानी अत्यधिक मोटापे से जूझ रही थी। उसका बीएमआई 42 था। इसके अलावा यह उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि मरीज को न केवल जानलेवा हर्निया था। इसके अलावा उसका वजन और मोटापा ऑपरेशन को और भी चुनौतीपूर्ण बना रहा था।वरिष्ठ सर्जन डॉ. समीर शुक्ला ने बताया कि महिला की जान बचाने के लिए स्लीव गेस्ट्रोक्टॉमी के साथ आईपीओएम प्लस मेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। यह तकनीक हमीदिया अस्पताल में पहली बार अपनाई गई। इसमें पेट का कुछ हिस्सा छोटा किया गया ताकि मरीज का वजन कम हो और साथ ही मेष (जाली) लगाकर हर्निया की दीवार को मजबूत किया गया। मोर्बिड ओबेसिटी क्या है?- जब बीएमआई 4 से ऊपर हो जाता है, तब इसे मोर्बिड ओबेसिटी कहते हैं। यह हार्ट अटैक, डायबिटीज और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ाती है। ऐसे में बेरियाट्रिक सर्जरी मोटापे के कारण होने वाली बीमारियों को कम करने का प्रभावी तरीका है। जिससे वजन घटाने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलती है। 46 साल की महिला कई सालों से लम्बर हर्निया (कमर के पास का हर्निया) की समस्या से पीड़ित थीं। धीरे-धीरे यह बढ़कर उनके पेट के लगभग एक-तिहाई हिस्से तक फैल गया था। जांच में सामने आया कि उनका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 42 था और वजन 92 किलो। यह स्थिति मोर्बिड ओबेसिटी की श्रेणी में आती है, जिसमें शरीर पर अत्यधिक चर्बी जमा हो जाती है और यह कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है।

राज्य की पुरातात्विक धरोहर को सहेजने के लिए किया जा रहा है नवाचार

भोपाल (आरएनएस)। राज्य की पुरातात्विक महत्व की कला को सुदृढ़ और सतत बाज़ार की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नर्मदापुरम में कला और शिल्प पर आधारित स्टार्टअप के लिए राफ्ट एंड रीज़न ने तसल्ली ब्रांड के अंतर्गत नवाचार प्रारंभ किया है। इसमें नर्मदापुरम, भोपाल, छिंदवाड़ा, सीहोर, महेश्वर तथा धार जिले के चिन्हित शिल्प पर नवाचार किया जा रहा है।इसके अंतर्गत पुरातात्विक महत्व की कलाकृति को स्टोन पाउडर में विकसित किया गया है तथा इस पर स्थानीय सागौन लकड़ी के साथ भी प्रयोग किए जा रहे हैं। यह कार्य हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय भोपाल, पुरातत्व संचालनालय भोपाल एवं पाटर्स द स्टूडियो नर्मदापुरम के सहयोग से किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि स्टार्टअप की पहली डिलीवरी बॉउर्नमाउथ, यूके में की गई है। इसे आमेजन ग्लोबल पर भी खरीदा जा सकता है। स्टार्टअप ने निर्यात लाइसेंस भी प्राप्त कर लिया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने फतीपुरा हादसे पर किया दुख व्यक्त

भोपाल (ए.)। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ के फतीपुरा हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। झाबुआ जिले की तहसील रामा के ग्राम फतीपुरा में शनिवार को दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। रेत से भरे अनियंत्रित ट्रक के घर में घुसने से हादसे में देसिंह पिता नूरा मेड़ा (3), उनकी पत्नी रमिला (32) और छह वर्षीय पुत्री आरोही की मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतक परिवार के परिजनों को 4-4 हजार रुपये की राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मृतक परिवार को विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 1 लाख 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार हरसंभव सहायता के लिये पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

स्कूल संचालक के घर चोरी करने वाली महिलाओं का सीसीटीवी फुटेज आया सामने

भोपाल (आरएनएस)। गौतम नगर में साढ़े चार लाख की नकदी सहित तीस लाख रुपए के जेवरात चोरी करने वाली महिलाओं के सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। महिलाओं ने शुक्रवार सुबह स्कूल संचालक के घर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी महिलाओं की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है।पुलिस की जांच में साफ हुआ कि फरियादी ने बिना किसी वैरिफिकेशन के महिलाओं को घर के काम के लिए रख लिया था। नौकरी मिलने के महज दो दिन बाद ही आरोपी महिलाओं ने चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया। फुटेज के आधार पर पुलिस उनकी तलाश कर रही है।फरियादी राजकुमार शिवनानी (45), निवासी संत कुवर राम कॉलोनी डीआईजी बंगला में रहते हैं। टीला जमालपुरा इलाके में वे सनशाइन पब्लिक स्कूल का संचालन करते हैं। इसी स्कूल में उनकी पत्नी प्रिंसिपल हैं। उन्होंने दो दिन पहले बुधवार को ही नीलम और पूनम नाम की दो महिलाओं को घरेलू काम के लिए रखा था।शुक्रवार सुबह राजकुमार स्कूल चले गए थे, उस समय घर पर उनकी 85 वर्षीय मां अकेली थीं।

रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति के मध्य पूजा स्पेशल ट्रेन का संचालन

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा त्यौहारों पर यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु सदैव प्रयासरत रहता है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल ने दुर्गा, दिवाली एवं छठ पूजा त्यौहारों के पर्व पर अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति के मध्य द्वि-साप्ताहिक 11-11 ट्रिप पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह गाड़ी पश्चिम मध्य रेल के रानी कमलापति से प्रस्थान कर नर्मदापुरम , इटारसी, पीपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी। इस स्पेशल ट्रेन की पश्चिम मध्य रेल के स्टेशनों की विस्तृत जानकारी निम्न है। पूजा स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति से दानापुर स्पेशल ट्रेन 27 सितंबर से 1 नवंबर 2025 तक द्वि-साप्ताहिक शनिवार एवं मंगलवार को एक्सप्रेस ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 14:25 बजे प्रस्थान कर, नर्मदापुरम 15:25 बजे , इटारसी 15:55 बजे, पीपरिया 17:10 बजे, गाडरवारा 17:45 बजे, नरसिंहपुर 18:25 बजे, जबलपुर रात 19:25 बजे, सिहोरा रोड 20:10 बजे, कटनी 21:20 बजे, मैहर 22:10 बजे, सतना 22:45 बजे पहुँचकर और अगले दिन रविवार एवं बुधवार को सुबह 08:45 बजे दानापुर स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01668 दानापुर से रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन 28 सितंबर से 2 नवंबर 2025 तक द्वि-साप्ताहिक रविवार एवं बुधवार को एक्सप्रेस ट्रेन दानापुर स्टेशन से सुबह 11:00 बजे प्रस्थान कर प्रयागराज छिवकी रात 20:30 बजे, पहुंचकर अगले दिन सतना मध्य रात्रि 00:55 बजे, मैहर 01:28 बजे, कटनी 02:30 बजे, सिहोरा रोड 03:13 बजे, जबलपुर 03:50 बजे, नरसिंहपुर 05:00 बजे , गाडरवारा 05:30 बजे, पिपरिया 06:00 बजे, इटारसी 0710 बजे, नर्मदापुरम 07:48 बजे पहुंचकर और सोमवार एवं गुरुवार को सुबह में 08:55 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुँचेगी। कोच कम्पोजीशनः- इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 02 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 13 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच रहेंगे। रेलगाड़ी के हाल्टः- रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में नर्मदापुरम, इटारसी, पीपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी। यात्री सुविधा का लाभ लेते हुए पूजा स्पेशल ट्रेन के ठहराव की विस्तृत जानकारी स्टेशन, एनटीइएस या रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन रेलवे वेबसाइट से प्राप्त कर सकते है।

दादाजी धाम मंदिर में आज राधा अष्टमी पर होंगे कई आयोजन

भोपाल (ए)। राजधानी के रायसेन रोड के पास पटेल नगर स्थित जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर में इस वर्ष रविवार को राधा अष्टमी भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि है। यह दिन देवी राधा के अवतरण दिवस पर मंदिर में विराजमान भगवान राधे कृष्ण जी का विशेष श्रृंगार किया किया जाएगा, मंदिर में आकर्षक लाइटिंग की गई है यह दिवस बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस दिन सांय 6:00 बजे से पूजन,अभिषेक, मंत्र का जाप, पूजा-पाठ करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं, धन-समृद्धि मिलती है, और भक्तगण राधा रानी की विशेष कृपा प्राप्त करते हैं। एवं ऋषि दधीचि का जन्मोत्सव भी भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाता है, मंदिर के गर्भगृह की परिक्रमा में स्थापित ऋषि दधीचि जी का विधि विधान से पूजन किया जाएगा। यह दिवस ऋषि दधीचि के विश्व के कल्याण के लिए अपने प्राणों का त्याग कर अस्थियाँ दान करने के महान परोपकार को याद करने के लिए मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी को भक्तों अपने घर से पकवान बनाकर छप्पन भोग लगाया जाएगा।

भोपाल मंडल से गुजरने वाली 09 स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए गए

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा आगामी त्यौहारों को देखते हुए एवं यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मौजूदा कोच संरचना, पथ और समय पर स?पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है। विस्तारित स्पेशल ट्रेनें पश्चिम रेलवे से प्रारम्भ होकर पश्चिम मध्य रेल से होकर गुजरती है। इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः 1) ट्रेन संख्या 09025 वलसाड-दानापुर स्पेशल 29 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09026 दानापुर - वलसाड स्पेशल को 30 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन पमरे के इटारसी, मदनमहल, कटनी एवं सतना से गुजरती है। 2) ट्रेन संख्या 09031 उधना-जयनगर स्पेशल को 28 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09032 जयनगर-उधना स्पेशल को 29 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन पमरे के इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदनमहल, कटनी एवं सतना से गुजरती है। 3) ट्रेन संख्या 09039 उधना-धनबाद स्पेशल को 26 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09040 धनबाद-उधना स्पेशल को 28 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन पमरे के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना से गुजरती है। 4) ट्रेन संख्या 09045 उधना-पटना स्पेशल को 26 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09046 पटना-उधना स्पेशल को 27 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन पमरे के इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी एवं सतना से गुजरती है। 5) ट्रेन संख्या 09343 डॉ. अंबेडकर नगर - पटना स्पेशल को 25 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09344 पटना - डॉ. अंबेडकर नगर स्पेशल को 26 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

खाद्य विभाग द्वारा 29 किलो मावा एवं 11 किलो पनीर किया जप्त

भोपाल (आरएनएस)। थाना बागसेवनिया से प्राप्त सूचना के आधार पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग एवं पुलिस द्वारा संदेहास्पद मावा और पनीर के नमूने जांच हेतु लिए गए एवं संदेहास्पद मावा 29 किलोग्राम और पनीर 11 किलोग्राम जिनका बाजार मूल्य रुपए 12 हजार 580 रुपए है, को नियमानुसार जप्त किया गया।जप्त किया गया मावा एवं पनीर की जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी जे.पी.विश्वकर्मा और जे. पी. लववंशी और थाना बागसेवनिया का पुलिस बल उपस्थित था।

राष्ट्रीय खेल दिवस महोत्सव का दूसरा दिनः सरदारपुर की टीम ने मिनी ब्राजील विचारपुर को रोमांचक मुकाबले में 1-0 से हराया

भोपाल (विलक्षण सक्सेना)। राष्ट्रीय खेल दिवस से शुरू हुए प्रदेशव्यापी खेल महोत्सव के दूसरे दिन टीटी नगर स्टेडियम भोपाल में मिनी ब्राजील के नाम से प्रसिद्ध शहडोल जिले के विचारपुर ग्राम और धार जिले के सरदारपुर ग्राम की महिला फुटबॉल टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मैच की शुरुआत की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में विचारपुर ग्राम को मिनी ब्राजील के रूप में उल्लेखित कर पूरे देश को प्रेरित किया है। यह हमारे लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों है कि हम खेलों को जमीनी स्तर तक प्रोत्साहित कर उनके सपनों को साकार करें। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि विचारपुर और सरदारपुर दोनों ही ग्रामों में फुटबॉल का माहौल बेहद सकारात्मक है और यहां हर घर में खेलों के प्रति विशेष लगाव देखने को मिलता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग इन ग्रामों से प्रेरणा लेकर प्रदेश में फुटबॉल के और अधिक विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाएगा। मुकाबले की शुरुआत से ही सरदारपुर की टीम ने दबदबा बनाए रखा। पहले हाफ में ही सरदारपुर की कप्तान और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी सुश्री ज्योति चौहान ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में लंबे समय से प्रतिक्षित लाइब्रेरी का शुभारंभ

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कार्यालय, भोपाल में आज एक ऐतिहासिक क्षण दर्ज हुआ। कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हो गई जब प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में लाइब्रेरी की स्थापना और शुभारंभ किया गया। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्घाटन प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने किया। यह लाइब्रेरी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार स्थापित की गई है। उनके मार्गदर्शन और दृष्टिकोण के अनुरूप कांग्रेस कार्यालय में यह नई शुरुआत संगठन के वैचारिक और बौद्धिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इस अवसर पर संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले एवं कांग्रेस विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता सहित कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे कांग्रेस संगठन की बौद्धिक और वैचारिक मजबूती की दिशा में एक मील का पत्थर बताया।

मुख्यमंत्री करेंगे विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अनावरण एवं ऐप का लोकार्पण

भोपाल (विलक्षण सक्सेना)। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अनावरण एवं ऐप का लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 1 सितंबर 2025 को मुख्यमंत्री निवास पर करेंगे। यह बात माननीय मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने बताया कि प्रातः 9:00 बजे शौर्य स्मारक पर कॉलेज, विश्वविद्यालय के युवाजन एवं छात्र-छात्राएँ एकत्रित होंगे। शौर्य स्मारक से बाइक रैली आरंभ होगी जो एमएलबी कॉलेज तक जायेगी। एलएलबी कॉलेज से बाइक रैली पैदल मार्च में बदलकर मुख्यमंत्री निवास के द्वार तक पहुँचेगी। इस अवसर में विक्रमादित्य वैदिक घडीः भारत के समय की पुनर्स्थापना की पहल विषय युवा संवाद मोहन यादव युवाओं से कार्यक्रम भी होगा। जिसमें माननीय मुख्यमंत्री डॉ. संवाद करेंगे। संस्कृति सलाहकार तिवारी ने बताया कि विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय काल गणना पर आधारित विश्व की पहली घड़ी है। भारतीय काल गणना सर्वाधिक विश्वसनीय पद्धति का पुनरस्थापन विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के रूप में उज्जैन में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 29 फरवरी 2024 को किया गया था। जिसे देश और दुनिया में अच्छा प्रतिसाद मिला। उन्होंने कहा कि विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय परंपरा, वैदिक गणना और वैज्ञानिक दृष्टि का अद्भुत संगम है। भारतवर्ष वह पावन भूमि है जिसने संपूर्ण ब्रह्माण्ड को अपने ज्ञान से आलोकित किया है। यहाँ की संस्कृति का प्रत्येक पहलू प्रकृति और विज्ञान का ऐसा विलक्षण उदाहरण है, जो विश्व कल्याण का पोषक है। इन्हीं धरोहरों के आधार पर निर्मित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय परम्परा का गौरवपूर्ण प्रतीक है। इस घड़ी के माध्यम से भारत के गौरवपूर्ण समय को पुनर्स्थापित करने का प्रयास है। यह प्रयास विरासत और विकास, प्रकृति और तकनीक का संतुलन होगा। यह स्वदेशी जागरण की महत्वपूर्ण कोशिश है, जो भारत को विश्व मंच पर मजबूती प्रदान करेगी।

रांग साइड से आ रहे ट्रैक्टर ने किसान को कुचला, मौके पर हुई मौत

भोपाल(ए)। शहर के देहात बैरसिया थाना इलाके में नरसिंहगढ़ रोड पर रॉग साइड से आ रहे ट्रैक्टर ने किसान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में जानलेवा चोटें आने से किसान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार ग्राम बमेला खेड़ली, नजीराबाद में रहने वाले भीकम सिंह राजपूत पिता विशन सिंह राजपूत (50) पेशे से किसान थे, साथ ही वो दूध का भी व्यवसाय करते थे। गुरुवार सुबह वह अपनी भैंस बेचने के लिए गये थे। भैंस को बेचने के बाद वो पैदल वापस घर लौट रहे थे। दोपहर करीब ढाई बजे भीकम सिंह नरसिंहपुर रोड पहुंचे थे, वहॉ से थोड़ा आगे जाकर उन्हें बस पकड़नी थी। तभी गलत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर ने उन्हें चपेट में ले लिया।

स्वदेशी को अपनाकर ही देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त किया जा सकता है-हेमंत खण्डेलवाल

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री व जनअभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में जनअभियान परिषद और स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में स्वदेशी से स्वावलंबन विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वदेशी वस्तुएं केवल उत्पाद ही नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, धरोहर और हमारे मान-सम्मान का प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया वोकल फॉर लोकल अभियान भारतीयता की इसी भावना को आगे बढ़ाने का माध्यम है। हमारे देशी उत्पाद न केवल विदेशी उत्पादों से अधिक मजबूत, किफायती और गुणवत्तायुक्त हैं, बल्कि इन्हें खरीदने पर हमें अधिकतम लाभ भी मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आत्मीय आह्वान किया कि हर भारतीय नागरिक को न केवल स्वयं स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करना चाहिए, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। यही देश प्रेम हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। स्वदेशी भावना ही सच्ची राष्ट्रसेवा का सहज मार्ग है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि जब तक हम अपने आचरण में स्वदेशी को शामिल नहीं करेंगे, तब तक हम देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती नहीं दे पाएंगे।

इंदौर में एक घंटे तेज बारिश, यशवंत सागर लबालब, थम गया ट्रैफिक, सड़कें बनी तालाब

इंदौर (ए.)। शनिवार को हुई बारिश के बाद इंदौर का यशवंत सागर तालाब पूरी तरह लबालब भर गया। शुक्रवार को ही रात में डैम का एक गेट खोलना पड़ गया था। महू की तेज बारिश से नदियों-नालों में उफान आया और तालाब का स्तर 19 फीट तक पहुंच गया।

इंदौर में शनिवार को हुई एक घंटे की तेज बारिश ने पूरे शहर को तरबतर कर दिया। शहर की सड़कों पर पानी भर गया और लगभग दो घंटे तक ट्रैफिक रुका रहा। इससे पहले शुक्रवार को ही यशवंत सागर तालाब लबालब भर गया। पानी का स्तर बढ़ने पर नगर निगम ने एहतियातन रात 11 बजे डैम का एक गेट खोल दिया।

महू की बारिश से नदियों-नालों में उफान

शहर में भले ही बारिश कम हुई, लेकिन महू में हुई तेज वर्षा के चलते नदियों और नालों में उफान आ गया। इससे यशवंत सागर में पानी तेजी से पहुंचा और इसका स्तर 19 फीट तक पहुंच गया।

अधिकारियों ने दी सतर्कता की सूचना

जलकार्य समिति के प्रभारी अभिषेक शर्मा ने बताया कि डाउनस्ट्रीम के गांवों और उज्जैन डैम को इसकी जानकारी दे दी गई है, ताकि लोग सतर्क रह सकें। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले साल डैम के गेट 23 अगस्त को खोले गए थे।

शहर के लिए राहत की खबर

यशवंत सागर का भरना शहर के लिए राहत की बात है, क्योंकि अन्य तालाबों में अभी आधा भी पानी नहीं भर पाया है। इस तालाब से पश्चिमी इंदौर के बड़े हिस्से में प्रतिदिन 30 एमएलडी पानी की आपूर्ति होती है।

क्या सभी तीर्थों का जल और पंचधातु मिलाकर बनी है प्रतिमा? जानें इंदौर के बड़े गणपति का इतिहास

इंदौर(ए.)। यूं तो सभी देवता बड़े ही होते हैं पर इंदौर के मल्हारगंज क्षेत्र में छोटे गणपति के साथ बड़े गणपति भी हैं। यह प्रदेश का सबसे बड़ा गणेश मंदिर है। इंदौर का यह बड़ा गणपति मंदिर भक्तों के आकर्षण और आस्था का केंद्र है। यहां भगवान गणेश की मूर्ति 25 फीट ऊंची और 16 फीट चौड़ी है। इसे चोला चढ़ाने में सात दिन का वक्त लगता है। आज बड़ा गणपति मंदिर शहर की एक पहचान है। इंदौर के हजारों भक्त शुभ कार्य की शुरुआत यहीं पूजा कर करते हैं।

छठी सदी से शुरू हुई गणेश पूजा

धार्मिक इतिहासकारों का मानना है कि बुद्धि विलास के देवता श्री गणेश की पूजा अर्चना छठी शताब्दी से आरंभी हुई और दो तीन शताब्दियों में गणेशजी को आराध्य मानने वाले भक्त बढ़ते गए। 10वीं शताब्दी तक महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में गाणपत्य संप्रदाय का जन्म हुआ, जो गणपति जी को अपना आराध्य मानता था। जाहिर है गणेश जी हमारी भक्ति और आस्था के केंद्र लंबे समय से हैं।

ऐसे आया बड़े गणपति का विचार

बड़ा गणपति मंदिर के पुजारी परिवार का कहना है कि उनके पुरखे नारायण जी दाधीच राजस्थान से उज्जैन आए थे और चिंतामन गणेश की पूजा अर्चना करने लगे थे। एक दिन उन्हें स्वप्न में ऐसा एहसास हुआ कि साक्षात् चिंतामन गणेश नारायण जी दाधीच से कह रहे हैं कि मुझे और कहीं भी स्थापित कर लो। नारायण जी ने विचार किया कि उज्जैन में तो कई मंदिर हैं, क्यों न गणपति जी का मंदिर और कहीं निर्मित करवा कर मूर्ति स्थापित करवाई जाए। उन्होंने इंदौर आकर गणेश मंदिर के निर्माण का निर्णय लिया। दाधीच ने मंदिर परिसर की यह जमीन होल्कर रियासत से खरीदी और एक छोटी सी टपरी में गणेश जी की पूजा-अर्चना करने लगे। उनकी तपस्या और पूजा भगवान गणेश को पसंद आई और उनके आशीर्वाद से यहां प्रदेश की सबसे बड़ी गणेश प्रतिमा है।

2500 ईंटों का बिल 1.25 लाख रुपये! भाटिया ग्राम पंचायत का घोटाला देख उड़ जाएंगे होश

शहडोल (ए.)। जिले की पंचायतों में भ्रष्टाचार की शिकायतें एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। ग्राम पंचायत भटिया के अंतर्गत एक बिल में 2500 ईंटों का मूल्य 1.25 लाख रुपये दर्शाने का मामला प्रकाश में आया है, जिसने सरकारी धन के दुरुपयोग के गंभीर आरोप खड़े कर दिए हैं। इस मामले ने न केवल स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं, बल्कि आसपास के गांवों में भी इस भ्रष्टाचार के नित नये रूपों पर चर्चा का माहौल बना दिया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत भटिया ने पांच रुपये प्रति ईंट की दर से 2,500 ईंटों का एक बिल जारी किया है। ईंट का सप्लायर चेतन प्रसाद कुशवाहा है, जिसके अंतर्गत कुल भुगतान 1,25,000 रुपये दर्शाया गया है। हालांकि, यदि सही मायने में इन ईंटों के दामों की गणना की जाए, तो यह राशि केवल 12,500 रुपये बनती है। मामले में सरपंच और सचिव के हस्ताक्षर के साथ यह बिल सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अब प्रशासन की नींद उड़ गई है।

यह ईंट की खरीदी भाटिया गांव में बन रही आंगनबाड़ी के लिए किया गया था। ईंट की दर पांच रुपये नग है, जिसमें 2500 ईंटों का बिल 12500 रुपये होता है, लेकिन भुगतान 1,25000 किया गया है। अंकों और शब्दों में दोनों में 1,25000 का जिक्र है। बड़ी बात तो यह है कि इस बिल का भुगतान भी सप्लायर को कर दिया गया है। ग्राम पंचायत भटिया के सरपंच ने इस बारे में कुछ भी कहने से मना कर दिया है, जबकि पंचायत सचिव से हमने जब संपर्क किया लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

पंचायत के इस घोटाले पर टिप्पणी करते हुए स्थानीय ईंट कारोबारी, लालन मिश्रा ने कहा कि जिले में ईंटों की कीमत 4 से 10 रुपये प्रति ईंट के बीच होती है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि 1,25,000 रुपये का भुगतान संभव नहीं है। यह भ्रष्टाचार की एक वारदात है। इस घटना के बाद, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने एसडीएम को मौके पर भेजकर मामले की जांच कराने की बात कही है। उन्होंने कहा, यदि भ्रष्टाचार की कोई भी गतिविधि पाई जाती है, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूछताछ में इति ने पुलिस से कहा- भूपेंद्र से दोस्ती थी, ब्लैकमेल कभी नहीं किया

इंदौर (ए.)। पब संचालक भूपेंद्र रघुवंशी की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने उसकी मित्र इति तिवारी से पूछताछ की। वह शुक्रवार को थाने में वकील के माध्यम से पेश हुई थी। उधर पुलिस ने भूपेंद्र की पत्नी व परिजनों के बयान भी लिए है। सुसाइड नोट व परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस ने इति तिवारी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया है। पूछताछ में इति ने बताया कि उसकी भूपेंद्र से दोस्ती थी। वह एक पार्टी के दौरान उसके पब में मिली थी। वह एक बडी कंपनी में एचआर मैनेजर है और पति भी मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब करते है। वे घर से सक्षम है। उसने भूपेंद्र को कभी ब्लैकमेल नहीं किया। इति अपने साथ अपने बैंक अकाउंट और उसमें हुए ट्रांजेक्शन की जानकारी भी साथ लाई थी और पुलिस को सौंपी। इति की हरकतों का पता भूपेंद्र की पत्नी को भी था। पुलिस ने भूपेंद्र की पत्नी आरती व परिजनों के बयान लिए। उनका कहना है कि इति शातिर है। वह उसके डेबिट और क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करती थी। पैसों की डिमांड वाटसअप कॉल के जरिए करती थी।

तेज बारिश के बाद दिखे नदी नाले उफान पर, दर्जनभर गांवों का जिला मुख्यालय से सम्पर्क टूटा

हरदा (ए.)। मध्यप्रदेश के हरदा जिले में लगातार रो रही तेज बारिश के बाद यहां के सभी नदी नाले इस समय उफान पर हैं। जिसकर चलते ग्रामीण क्षेत्रों में तो आवागमन में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद इस समय जिला मुख्यालय से करीब 2 दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क लगभग टूट चुका है। बावजूद इसके कुछ लोग लापरवाही बरतते हुए भी नदी नालों पर बने रपटे पार कर रहे हैं, जबकि इससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना यहां हो सकती है। वहीं, इस दौरान कोई भी जिम्मेदारी अधिकारी ऐसे किसी मौके पर उपलब्ध नहीं दिखाई दे रहे हैं, जोकि अपनी जान जोखिम में डाल कर रपट, पुल और पुलिया पार कर लापरवाही बरत रहे लोगों को रोक सकें। बता दें कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही तेज बारिश के बाद यही स्थिति जिलेभर में कई जगह देखने को मिल रही है। जिले के ग्रामीण अंचल रहटगांव एवं मगरधा के पास सतपुड़ा जंगलों के वन ग्रामों में भी तेज बारिश हुई है। जिसके बाद इस क्षेत्र के नदी नाले भी उफान पर हैं और इसके चलते यहां के कई स्कूलों में शनिवार की छुट्टी तक घोषित कर दी गयी है।

व्यापार समाचार

एफआईआई की रिकॉर्ड बिकवाली से डगमगाया बाजार, इस साल रिकॉर्ड 1.30 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू शेयर बाजार में पिछले साल अक्तूबर से लगातार भारी गिरावट का बहुत बड़ा कारण विदेशी संस्थागत निवेशक हैं। इस साल जनवरी से लेकर अब तक इन निवेशकों ने रिकॉर्ड 1.30 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। किसी कैलेंडर साल में यह पहली बार है जब इतने बड़े पैमाने पर बिकवाली हुई है।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरीज लि.(एनएसडीएल) के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल जनवरी में विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी एफआआई ने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। मार्च में यह घटकर केवल 3,973 करोड़ रुपये रह गया। अप्रैल में इन निवेशकों ने जबरदस्त वापसी की और 4,223 करोड़ रुपये का निवेश किया। मई में 19,860 करोड़ के शेयर खरीदे तो जून में 14,590 करोड़ रुपये का निवेश किया।

निवेश का यह रुझान जुलाई में फिर टूट गया। इस दौरान एफआईआई ने 17,741 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले। अगस्त में अब तक 34,993 करोड़ रुपये की निकासी की गई है। यह जनवरी के बाद इस साल में दूसरी

सबसे बड़ी निकासी है। विश्लेषकों का कहना है कि एफआईआई की यह निकासी मूलरूप से देशों के बीच तनाव और शेयर बाजारों में अस्थिरता के कारण हो रही है।

क्या कहते है विश्लेषकों का?

विश्लेषकों के मुताबिक, भारतीय शेयर बाजार का मूल्यांकन काफी ऊंचा है। इसलिए विदेशी निवेशक यहां से पैसा निकालकर दूसरे सस्ते उभरते हुए बाजारों में लगा रहे हैं। इसके अलावा वे कुछ ऐसे साधनों में भी निवेश कर रहे हैं जहां इस समय जोखिम कम है।

इस साल एफडी से भी कम रिटन...

एक जनवरी को सेंसेक्स 78,507 पर बंद हुआ था। शुक्रवार को यह 79,809 पर बंद हुआ। यानी करीब दो फीसदी का फायदा मिला है। जबकि इस दौरान बैंकों या कंपनियों के एफडी में 8 फीसदी तक का फायदा हुआ है। जनवरी में एफडी कराने वाले निवेशकों को और भी ज्यादा फायदा मिला है।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.38 अरब डॉलर घटा

22 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.386 अरब डॉलर घटकर 690.72 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट इसलिए आई क्योंकि रिजर्व बैंक ने रुपये की गिरावट थामने के लिए डॉलर की बिकवाली की थी। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा संपत्तियां 3.65 अरब डॉलर घटकर 582.25 अरब डॉलर रह गईं।

सेंसेक्स और निफ्टी में 1.8 फीसदी की गिरावट रही

- अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं शेयर बाजार कमजोर हुआ

नई दिल्ली (ए.)। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में गिरावट का रुख देखा गया। गणेश चतुर्थी के कारण 27 अगस्त को बाजार बंद रहने के चलते केवल चार कारोबारी दिन थे। इन चार दिनों में बाजार ने मिले-जुले प्रदर्शन के बाद कुल मिलाकर लगभग 1.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। सप्ताह की शुरुआत अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों और आईटी सेक्टर में खरीदारी के चलते सकारात्मक रही, लेकिन अमेरिका की ओर से भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की मसौदा अधिसूचना जारी होने के बाद बाजार में दबाव बढ़ गया। सप्ताह के पहले दिन सेंसेक्स 285 अंक चढ़कर 81,635 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 91 अंक की बढ़त के साथ 24,967 पर बंद किया। हालांकि, मंगलवार को अमेरिकी टैरिफ की घोषणा के बाद सेंसेक्स 849 अंक गिर गया और निफ्टी भी 255 अंक नीचे आ गया। गुरुवार को भी वैश्विक व्यापार तनाव के चलते सेंसेक्स और निफ्टी क्रमश: 705 और 211 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। निवेशकों में अमेरिकी आर्थिक नीतियों और व्यापार बाधाओं को लेकर चिंता स्पष्ट रूप से देखी गई। शुक्रवार को बाजार ने थोड़ी मजबूती दिखाई और सेंसेक्स 197 अंक ऊपर खुला, लेकिन अंत में 271 अंक गिरकर 79,809 पर बंद हुआ।

अमेरिका के टैरिफ से ट्राइडेंट ग्रूप संकट में

- कंपनी का करीब 7 प्रतिशत निर्यात अकेले अमेरिका में
- कंपनी के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ी
- शेयर बाजार में भारी गिरावट, 6 से 27 रुपये पहुंची कीमत

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ से भारतीय टेक्सटाइल कंपनियों को भारी नुक्सान हुआ है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा टेक्सटाइल उत्पादक देश है। टेक्सटाइल और परिधान उद्योग का 2024 में बाजार आकार लगभग 146.55 अरब यूएस डॉलर का था और 2030 तक 350 अरब यूएस डॉलर तक पहुँचने का अनुमान लगाया जा रहा था। लेकिन अमेरिकी टैरिफ ने इस विकास यात्रा को बड़ा झटका दिया है।

देश की जानी मानी टेक्सटाइल कंपनी ट्राइडेंट अमेरिका में होम टेक्सटाइल (बाथ व बेड लिनेन) का निर्यात बड़ी मात्रा में करती है। अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के चलते गंभीर संकट में फंस गई है। अमेरिका ट्राइडेंट ग्रूप के लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और कंपनी का करीब 70 प्रतिशत होम टेक्सटाइल (बाथ और बेड लिनेन) निर्यात अकेले अमेरिका में होता है। अन्य देशों में 20 प्रतिशत और भारत के घरेलू बाजार में लगभग 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

ट्राइडेंट अपने उत्पादों का निर्यात 150 देशों में करता है, जो एशिया, यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका जैसे छह महाद्वीपों तक फैला हुआ है। कंपनी के कुल राजस्व का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात से आता है, जिसमें अमेरिका की हिस्सेदारी सबसे बड़ी है। 50 प्रतिशत टैरिफ का असर अब मध्यप्रदेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर साफ दिखने लगा है। राज्य के मंडीदीप और बुधनी लंबे समय से भारत के प्रमुख टेक्सटाइल हब माने जाते हैं।

यहां से न सिर्फ घरेलू बाजार बल्कि बड़े पैमाने पर निर्यात भी होता है। ट्राइडेंट के साथ वर्धमान, अनंत स्पिनिंग और सागर मैन्युफैक्चरर्स जैसी कंपनियां अमेरिका में बड़े स्तर पर टेक्सटाइल

निर्यात करती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से ट्राइडेंट ग्रूप की लागत बढ़ जाएगी और अमेरिकी बाजार में इसकी प्रतिस्पर्धा क्षमता कमजोर होगी। इससे न केवल निर्यात प्रभावित होगा बल्कि कंपनी की आय और लाभांश पर भी बड़ा असर पड़ेगा।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस झटके के तुरंत बाद भारतीय शेयर बाजार में ट्राइडेंट ग्रूप के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। ट्राइडेंट के शेयर वर्ष 2022 में जहां 60 रूपये तक पहुंच गए थे जबकि आज उनकी कीमत 27 रूपये रह गई है। निवेशकों में घबराहट फैल गई है और कंपनी के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। ट्राइडेंट ग्रूप पहले से ही अमेरिका पर अत्यधिक निर्भर रहा है। वैश्विक व्यापार नीति का असर ट्राइडेंट ग्रूप के भविष्य पर सवाल खड़े कर रहा है।

अब कंपनी के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने निर्यात को डाइवर्सिफाइड करने और यूरोप, एशिया और अन्य वैश्विक बाजारों में हिस्सेदारी बढ़ाने की होगी, ताकि अमेरिकी दबाव का असर कम किया जा सके। उद्योग जगत के जानकार मानते हैं कि आने वाले महीनों में ट्राइडेंट ग्रूप को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना होगा।

अमेरिकी टैरिफ से रुपया अपने निचले स्तर पर एक डॉलर के मुकाबले 64 पैसे गिरकर 88.29 पर आया; इस साल 3% गिरी कीमत

नई दिल्ली(ए.)। भारतीय रुपया शुक्रवार (29 अगस्त) को पहली बार 88 रुपए प्रति डॉलर के ऑलटाइम लो पर पहुंच गया। एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत पर अमेरिका के टैरिफ की वजह से रुपए में यह गिरावट आई। कारोबार के दौरान रुपए में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब 64 पैसे की गिरावट देखने को मिली और ये 88.29 रुपए प्रति डॉलर के अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गया।

हालांकि, दोपहर 2:10 बजे तक रिजर्व बैंक (RBI) ने डॉलर बेचकर रुपए को थोड़ा सहारा दिया और यह करीब 88.12 पर ट्रेड करने लगा। वहीं कारोबार बंद होने पर यह 20 पैसे की गिरावट के साथ 87.85 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ।

2025 में अब तक रुपया 3 कमजोर हुआ

इससे पहले फरवरी में रुपया 87.95 प्रति डॉलर के ऑल टाइम लो पर आया था। 2025 में अब तक रुपया 3न कमजोर हो चुका है और यह एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली करेंसी बन गई है। शुक्रवार को रुपया चीनी युआन के मुकाबले भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया।

अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका के भारतीय सामानों पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ और फॉरेन ट्रेड को नुकसान पहुंचाएंगे। अमेरिका ने इस हफ्ते भारतीय सामानों पर 25% एडिशनल टैरिफ लगा दिया। जिससे भारत को टोटल 50% टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर उम्मीद से बेहतर 7.8 फीसदी रही

नई दिल्ली (ए.)। सरकार द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही, जो उम्मीद से बेहतर और हाल की पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि दर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाए जाने से पहले की अवधि की उच्चतम वृद्धि को दर्शाती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों में यह सामने आया है कि कृषि क्षेत्र में इस तिमाही में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की 1.5 प्रतिशत वृद्धि से बेहतर है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

सरकारी फैसले से किसान नाराज

ये प्रकरण बताता है कि किस कदर कृषि एवं उद्योग क्षेत्र परस्पर विरोधी धरातल पर चले गए हैं। यह विकास की समग्र दृष्टि के अभाव का परिणाम है। स्वस्थ अर्थव्यवस्था में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों के बीच साझा हित होते हैं। अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत में मुख्य अड़चन डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की कृषि एवं डेयरी संबंधी क्षेत्र को अमेरिकी निर्यात के लिए पूरी तरह खोलने की मांग से आई। नरेंद्र मोदी सरकार का दावा है कि उसने किसानों के हित पर समझौता करने से इनकार कर दिया। मगर उसका खामियाजा कारखाना क्षेत्र को भुगतना पड़ रहा है। अमेरिका ने भारत पर भारी आयात शुल्क थोप दिया, जिससे निर्यात निर्भर उद्योगों के सामने बड़ी मुश्किल आ पड़ी है। मतलब यह कि नव-उदारवादी दौर में भारत ने विकास का ऐसा मॉडल अपनाया, जिसमें अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में अंतर्विरोध बढ़ता चला गया है। इसकी सबसे बड़ी मिसाल कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग है।अमेरिकी बाजार में आई रुकावट के दुष्प्रभाव से राहत पाने के लिए कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने सरकार से कपास पर आयात शुल्क को हटाने की मांग की। सरकार ने तुरंत ये मांग मान ली। 11 फीसदी का आयात शुल्क समाप्त कर दिया गया। 19 अगस्त से लागू इस फैसले का तुरंत असर हुआ। दो दिन के भीतर ही कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने कपास के दाम में 1,100 रुपये प्रति कैंडी की कटौती कर दी। इस कारण वस्त्र उद्योग की लागत काफी कम हो जाएगी और वह अपने उत्पादों को अपेक्षाकृत सस्ती दर पर निर्यात कर सकेगा।मगर इस सरकारी फैसले से किसान नाराज हो गए हैं। उनके संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने इस कदम को कपास किसानों के लिए मौत की गारंटी बताया है। उसने पूछा है कि किसानों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताने का प्रधानमंत्री का दावा अब कहां गया? एसकेएम ने इस कदम खिलाफ कपास पैदावार वाले क्षेत्रों में आंदोलन छेड़ने का एलान किया है। ये प्रकरण बताता है कि भारत में किस कदर कृषि एवं उद्योग क्षेत्र परस्पर विरोधी धरातल पर चले गए हैं। यह विकास की समग्र दृष्टि के अभाव का सूचक है। स्वस्थ अर्थव्यवस्था में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्र के बीच साझा हित होते हैं। मगर ऐसा तब होता है, जब आर्थिक नियोजन की जरूरत समझी जाती हो। आज तो नियोजन शब्द से ही शासक वर्ग को गुरेज है। नतीजा सामने है।

हम तो ऐवे ही हैं! क्यों आप हमारे पास आते हैं!

हरिशंकर व्यास

पहली खबर नॉर्वे की है। नॉर्वे सरकार के पेंशन का एक वैश्विक सॉवरेन वेल्थ फ़ंड है। लगभग दो ट्रिलियन डॉलर का कोष। इसे वहां की सरकार ने 1990 में तेल की कमाई को जमा करते हुए बनाया। यह विश्व में निवेश कर देशवासियों की पेंशन संभालता है। इसे किस देश, किस कंपनी में निवेश करना है, इसके सुझाव का काम एक नैतिक परिषद करती है। और पता है 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो चार दिन के भीतर नॉर्वे की संसद और वित्त मंत्रालय ने फ़ंड को रूस और उससे जुड़ी कंपनियों से पैसा निकालने, यानी विनिवेश का आदेश दिया। ऐसा होना देश की नैतिक यानी एथिकल गाइडलाइंस से था। अब इन दिनों नॉर्वे में ग़ाज़ा में इज़राइली हिंसा व नरसंहार के विवाद में इज़राइली कंपनियों से निवेश हटाया जा रहा है। जैसे इज़राइल को लड़ाकू विमानों की सप्लाई करने वाली कंपनी से फ़ंड अपना निवेश निकाल रहा है। नॉर्वेजियन फ़ंड ने इज़राइल से जुड़ी छह कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया है।

इसका क्या अर्थ है? बुनियादी तौर पर यह कि नॉर्वे उन रामजी के रामराज्य का एक सभ्यागत प्रतिनिधि देश है, जहां नैतिकता व मर्यादा का मान है। नॉर्वे राष्ट्र-राज्य यानी देश की एक नैतिक वैचारिक विदेश नीति है। वह क्या सही है, क्या ग़लत, कौन राम है और कौन रावण की एथिकल गाइडलाइंस में मानवाधिकारों, बाल मानवाधिकार उल्लंघनों, हिंसा, युद्ध के दौरान अमर्यादित व्यवहार, विवादित सैन्य गतिविधियों जैसे नैतिक मुद्दों को ध्यान में रखकर आचरण यानी निर्णय करता है। ध्यान रहे नॉर्वे कोई इस्लामी या ऑर्थोडॉक्स ईसाई देश नहीं है; बावजूद इसके वहां की राजनीति में, संसदीय बहस में सभी विचारधाराओं (दक्षिण, वाम, पर्यावरणवादी ग्रीन, मध्य-दक्षिण, लेबर पार्टी) की पार्टियों, जनमानस में यह प्राथमिकता है कि देश एथिकल गाइडलाइंस के पैमाने पर ही राष्ट्रीय पहचान, नीति व सरोकार रखे। तभी प्रधानमंत्री जोनेस गार स्टोरे को जून में 17 इज़राइली कंपनियों से विनिवेश की घोषणा करनी पड़ी।

मतलब जन सर्वेक्षणों में नॉर्वेजियन नागरिकों का यह दबाव स्थायी है कि कुछ भी हो जाए, विदेश नीति में देश को अपनी इमेज एक 'नैतिक ताक़त' या मानवता की महाशक्ति की बनाए रखनी होगी। इससे कोई समझौता नहीं।

अब ज़रा शनिवार को भारत के विदेश मंत्री जयशंकर के इस बयान पर ग़ौर करें। उन्होंने अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा, 'हमने तो ख़रीदने के लिए मजबूर नहीं किया था। अगर आपको अच्छा नहीं लगता है तो आप भारत से तेल नहीं ख़रीदें! अगर आपको भारत से तेल या परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद ख़रीदने में समस्या है तो मत ख़रीदिए। किसी ने आपको ख़रीदने के लिए बाध्य नहीं किया है। लेकिन यूरोप ख़रीदता है, अमेरिका ख़रीदता है, अगर आपको पसंद नहीं है तो मत ख़रीदिए'।

क्या अर्थ है इसका? क्या यह नहीं कि हम तो धंधेबाज़ हैं। हमारा कोई धर्म-ईमान नहीं। हम नंगे खड़े हैं बाज़ार में! आपको किसने कहा था आने के लिए!

सचमुच, ईमानदारी से दिल पर हाथ रख सोचें। क्या यही रामजी की पार्टी की, मोदी सरकार की अब तक की रीति-नीति का सार नहीं है? किस बेशर्मी के साथ भारत क्रोनी पूंजीवादी अंबानी के तेल धंधे को सही, जायज़ बता रहा है? भारत और उसके धंधेबाज़ों ने नैतिकता को ताक पर रख मौके का फ़ायदा उठाया और रूस से सस्ता कच्चा तेल लेकर, उसे रिफ़ाइन कर चोरी-छुपे यूरोप या एक्स-वाई-ज़ेड ग्राहकों को महंगा तेल बेच भरपूर मुनाफ़ा कमाया! और ऊपर से भारत के विदेश मंत्री की दुनिया को यह नसीहत कि आपने अनैतिकता की भारत मंडी से ख़रीदा ही क्यों? हम तो धंधेबाज़, लुढ़कते लोटे हैं, हमसे क्यों नाता रखते हैं?

दलील हो सकती है कि नरेंद्र मोदी भारत को विकसित देश बना रहे हैं। और यह तब संभव है जब बिक्री-ख़रीद के धंधे के बाज़ार में हमारी क़ीमत लगे और कमाई हो! इसलिए भारत को भला नैतिकता, राष्ट्र विशेष की सार्वभौमता, नियम, क़ानून-मर्यादा, युद्ध दौरान अमर्यादित व्यवहार, विवादित सैन्य गतिविधियों, मानवाधिकारों व मानवता, नैतिकता की क्यों चिंता करनी चाहिए? हम अमीर हो रहे हैं न? अंबानी-अडानी जगतसेठ बन रहे हैं तो उनके साथ भारत भी सोने की लंका हो रहा है!

यदि ऐसा है और रामजी की मर्यादाओं, नैतिकताओं को धंधे के राष्ट्रहित में यदि भारत सरकार ने क़ुर्बान कर दिया है तो इसका तब बेबाक़ी से ऐलान कर देना चाहिए कि दुनिया के लोगों गांधी के रामराज्य और नेहरू के 1947 के घोषित संकल्प दुनिया की नैतिक आवाज (moral voice of the world) या सत्यमेव जयते के सनातन धर्म को त्यागने की भारत राष्ट्र, भारतीय सभ्यता घोषणा करती है।

सो, सवाल है, क्या आज का भारत रामजी का अनुयायी, उनकी विरासत का अंशमात्र धर्म भी लिए हुए है? हम सनातनी हिंदुओं ने क्या यह पढ़ा-समझा नहीं है कि यदि मर्यादा और नैतिकता का आग्रह नहीं है तो फिर वैसा होना रावण होना है। रावण की सोने की लंका है!

इसलिए स्वतंत्र भारत के 78 वर्षों के शासन का यह गंभीर प्रश्न है कि रामजी का नाम लेकर शासन कर रही मोदी सरकार ने अपने ग्यारह वर्षों के अब तक के कार्यकाल की विदेश नीति में क्या तनिक भी नैतिकता कभी दिखी? हाल में तिब्बत पर चीन के क़ब्ज़े के 75 वर्ष या दलाई लामा के 90 वर्ष के होने जैसे मौक़े हों या म्यांमार में मानवाधिकारों के हनन जैसे तमाम मामलों में मोदी सरकार ने मानवता से सरोकार वाले किसी भी एक मसले पर कभी कोई स्टैंड नहीं लिया। चीन से भयाकुल सरकार ने तिब्बत पर चीन के 75 वर्षों के दमनकारी प्रभुत्व पर एक वाक्य की टिप्पणी नहीं की। 90 वर्ष के दलाई लामा के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी का धर्मशाला जाने का नैतिक साहस नहीं था!

क्यों? क्या हिंदू धर्म-कर्म में मानवीयता, मर्यादा, नैतिकता, नैतिक साहस का मनुष्य व्यवहार वर्जित है? क्या मोदी सरकार के लिए आदर्श रावण की अनैतिक, स्वार्थी, अहंकारी विदेश नीति ही हिंदू राष्ट्र का रोडमैप है?

सोचें, याद करें पिछले ग्यारह वर्षों पर। मुझे कोई ध्यान नहीं आ रहा है जो प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार, विदेश मंत्रालय ने कभी भी, एक भी ऐसा साहसी, सत्यवादी, मानवाधिकारों के खातिर, लोकतंत्रवादी बयान दिया या कोई स्टैंड लिया, जिससे लगे कि भारत राम के नाम पर, उनके आदर्शों, मर्यादाओं की तनिक भी नैतिक गूंज लिए हुए है।

दलील दे सकते हैं भारत अब एक महाशक्ति देश है। इसलिए नैतिकता जाए भाड़ में! हमें अपना राष्ट्रहित, अपना स्वार्थ देखना है। अपनी जीडीपी बढ़ानी है। विकसित बनना है। सुरक्षा की चिंता करनी है। चीन को खुश रखना है। हमें सिर्फ़ स्वार्थों के लक्ष्यों की स्वार्थपूर्ति की राष्ट्र नीति और विदेश नीति बनाए रखनी है।

मेरा मानना है कि यूक्रेन-रूस युद्ध हो या इज़राइल के नेतन्याहू की ग़ाज़ा तबाही की ज़िद, जैसे सभी मसलों (इमिग्रेशन, पर्यावरण, ट्रंप संकट, भारत-पाक भिड़ंत, आतंकवाद, म्यांमार, पड़ोसी देशों से रिश्ते) में भारत रामजी यानी रामराज्यवादी पार्टी की सरकार के नाते मर्यादाओं यानी दुनिया की नैतिक आवाज़ के रूप में आचरण बनाता तो शायद वह नहीं होता जो हुआ है। मैं नेहरू की निर्गुट नीति को अर्थहीन मानता रहा हूं, बावजूद इसके यह तो हक़ीक़त है कि गांधी और नेहरू की भाव-भंगिमा ने भारत को उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद और नस्लवाद के ख़िलाफ़ दुनिया का एक नैतिक अगुआ बनाया था। भारत की छवि तब नई दुनिया की नैतिक शक्ति व एशियाई अंतरात्मा के संरक्षक की थी। तभी दुनिया के संकट स्थानों, कोरियाई प्रायद्वीप से लेकर अफ्रीकी देशों में, भारतीय सेना के शांति सैनिकों की तैनाती होती थी। इज़राइल और रूस दोनों निश्चित ही भारत के लिए उपयोगी रहे हैं लेकिन नैतिक शक्ति के सॉफ़्ट पावर के रूप में प्रधानमंत्री मोदी इज़राइल जाकर नेतन्याहू को समझाएं या पुतिन के यहां युद्ध रोकने की लॉबिंग करें तो कोई रिश्ते बिगड़ते नहीं।

पर प्रधानमंत्री की मनोदशा का यह भाव विदेश नीति में भी हावी रहा कि मेरा क्या? मुझे और मेरे जगतसेठों को क्या फ़ायदा? हमें कोई पंगा नहीं, हमें धंधा चाहिए!तभी नेहरू और मोदी का एक बुनियादी फ़र्क यह भी है कि नेहरू की प्राथमिकता में कभी धंधा नहीं रहा। वे हवा हवाई जोश में नैतिक अगुआ बने तो गांधी की छाया से अहिंसा, सत्याग्रह, न्याय, नैतिकता से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को सॉफ़्ट पावर बनाया। शीत युद्ध के दौरान भारत की सेना शांति टुकड़ियों की भी दुनिया में पहचान थी। कोई नेहरू को भले रामजी और रामराज्य के विचार का प्रतिनिधि न माने लेकिन उनकी अगुआई में भारत की नैतिक अगुआ होने की एक इमेज तो थी।बहरहाल, इन बातों का आज के 'रामराज्य' में कोई अर्थ नहीं है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कह ही दिया है, हम तो ऐंवे ही हैं!

असुरक्षा बोध भारत के नेताओं के गहना

फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन (फेस्टा) के सदस्य नई दिल्ली के सदर बाजार स्थित कुतुब रोड चौक पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर हाल ही में लगाए गए टैरिफ के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए।

अजीत द्विवेदी

राहुल गांधी पर भाजपा के हमले की थीम बदल गई है। अब उनको शातिर, साजिशी और देश विरोधी बताने का अभियान चल रहा है। ध्यान रहे नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भाजपा की कमान संभालने के बाद राहुल गांधी के खिलाफ जो व्यापक प्रचार अभियान चला उसकी थीम उनको पप्पू साबित करने की थी। भाजपा का हर नेता उनके लिए यही जुमला बोलता था। उनको नासमझ बताया जाता है। उनकी बुद्धि का मजाक उड़ाया जाता था। उनको जबरदस्ती राजनीति में उतारा गया नेता बताया जाता था। कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल होने वाले हर नेता से राहुल गांधी के बारे में इस तरह के बयान दिलाए जाते थे, जिससे देश की जनता में यह संदेश जाए कि उनको कुछ नहीं आता है और वे बुद्धू हैं। इसके लिए उन कांग्रेस नेताओं को बड़े इनाम इकराम से नवाजा गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री अपने भाषणों में राहुल को शहजादे कह कर संबोधित करते थे। इसका भी मकसद यही मैसेज बनवाना था कि राहुल गांधी पप्पू हैं लेकिन चूंकि शहजादे हैं इसलिए कांग्रेस के इतने बड़े नेता बने हैं।

लेकिन अब यह थीम बदल गई है। अब कोई राहुल गांधी को पप्पू नहीं कहता है। उनकी भारत जोड़ो यात्रा के समय से उनको लेकर नैरेटिव बदलने की शुरुआत हुई। इससे पहले एक और बड़ा बदलाव हुआ था। वह किसान आंदोलन के समय हुआ। उस समय भाजपा और केंद्र सरकार ने भारत के खिलाफ साजिश का नैरेटिव बनवाया था। दुनिया भर से भारत विरोधी टूलकिट के सक्रिय होने की चर्चा हुई थी। इसके बाद बड़े सहज तरीके से राहुल को इस टूलकिट से जोड़ा जाने लगा। भारत विरोधी इस टूलकिट के लिए एक नाम खोजा गया जॉर्ज सोरोस का। दावा किया गया कि राहुल गांधी अमेरिका के इस खरबपति कारोबारी के संपर्क हैं और उसके जरिए भारत को और भारत की सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं।

लगभग उसी समय अर्बन नक्सल का सिद्धांत लाया गया, बौद्धिक व सामाजिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी शुरू हुई, भारत के खिलाफ साजिश के नैरेटिव को मेनस्ट्रीम किया गया और राहुल व कांग्रेस को उससे जोड़ दिया गया। सो, नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के लगभग एक दशक बाद भाजपा के मुताबिक राहुल गांधी पप्पू से बदल कर एक शातिर नेता बन गए हैं, ऐसे नेता जो देशविरोधी ताकतों से मिला हुआ है। इस नैरेटिव को भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्री आगे बढ़ा रहे हैं। देश के एक बड़े न्यूज नेटवर्क को इंटरव्यू में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बिना किसी लागलपेट के कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस देश को अस्थिर करने की साजिश रचने वालों के साथ जुड़े हैं।

रिजिजू ने दावा किया कि भारत सरकार को अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस ने एक ट्रिलियन डॉलर का फंड रखा है। सोचें, एक ट्रिलियन डॉलर का मतलब है कि भारत का जितना जीडीपी है उसके एक तिहाई के बराबर फंड एक कारोबारी ने भारत को अस्थिर करने के लिए रखा है! इसके आगे रिजिजू ने कहा कि अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और कई वामपंथी संगठनों से जुड़ी खालिस्तानी ताकतें भारत विरोधी साजिश रच रही हैं, राहुल और कांग्रेस उनके साथ खड़े हैं।

यह बात भारत सरकार का एक वरिष्ठ मंत्री कह रहा है। इसका मतलब है कि सरकार के पास ऐसी इनपुट है कि एक कारोबारी ने एक ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 87 लाख करोड़ रुपए भारत को अस्थिर करने के लिए रखा हुआ है और कांग्रेस का उसके साथ संबंध है। अगर ऐसी कोई खुफिया सूचना है तो सरकार को उस पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। अमेरिका के सामने यह मुद्दा उठाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र संघ में इसे ले जाना चाहिए और भारत में जिन नेताओं को इस साजिश में शामिल होने की खबर है उन पर कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। सिर्फ नैरेटिव बनाया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि राहुल को पप्पू साबित करने के नैरेटिव का लाभ लेने के बाद उनको देश विरोधी बता कर नया नैरेटिव बनाया जा रहा है। लोकप्रिय विमर्श में इस बात को स्थापित किया जा रहा है कि राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और व्यापक रूप से समूचा विपक्ष देश विरोधी काम कर रहा है और अकेले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबको रोकने की कोशिश कर रहे हैं। यह बात रिजिजू ने अपने इंटरव्यू में कही।

उन्होंने कहा कि मोदीजी के होते किसी को कामयाबी नहीं मिलेगी। यह नैरेटिव देश के बौद्धिकों के लिए भी चलाया जा रहा है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप अपने कार्यक्षेत्र में बदलाव लेकर आयेंगें, जिसकी वजह से आपको बड़ा लाभ होगा। आपकी कोशिशों में एक नयी किरण जगमगाएगी और जल्द ही आपको सफलता मिलेगी। आज आप अपनी मेहनत और लगन से विरोधी को परास्त कर देंगे। आज लवमेट के साथ किसी अच्छे रेस्टोरेंट में जाकर आप खाना खायेंगे।

वृषभ राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक ङ्क ठाक रहेगा। आज आपके कारोबार में दुगुना धन लाभ होगा। आज आप मार्केट जाकर परिवार के लोगों के लिए गिफ्ट खरीदेंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी। आज आप पैसों के लेन ङ्क देन से बचें और व्यर्थ के खर्चों को कम करें। इस राशि की महिलाएं आज बच्चों के लिए स्वादिष्ट भोजन बनायेंगी, बच्चों को खुशी मिलेगी। आज आप व्यावसायिक गतिविधियों को और समय देंगे, जिससे बेहतर नतीजे मिल सकेंगे।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम बना रहेगा। आज आप कर्मचारियों के साथ अपना रवैया अच्छा बनाये रखें, जिससे वे मन लगाकर काम करें। आज आप दोस्तों के साथ खूब हंसी मजाक करेंगें लेकिन एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना जरूरी है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी काम के प्रति आपकी जिम्मेदारी बढ़ेगी , जिसमें आप अपने कलीग की सहायता ले सकते हैं। आज अचानक आपके घर पर किसी मेहमान का आगमन हो सकता है, जिसके चलते व्यस्तता बनी रहेगी।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको आपके सवालों के सारे जवाब मिलेंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आपकी कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मुलाकात होगी और कुछ बेहतरीन जानकारियां भी मिलेंगी। आज आपको जीवनसाथी से सरप्राइज मिलने की संभावना है।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपके मन में कुछ नए विचार आ सकते हैं, जो फ्यूचर में आपके लिए लाभदायक साबित होंगे। आज आपके घर में मेहमान का आगमन हो सकता है ,जिससे घर परिवार में भी खुशी भरा माहौल रहेगा। आज आपको किसी करीबी के माध्यम से धनलाभ होने के योग बन रहें हैं।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। आज आपकी करोबारी गतिविधियां अच्छी चलेंगी, आपको रोज की अपेक्षा अधिक धन लाभ होगा । आज आपकी पारिवारिक समस्याएं सुलझ जाएंगी, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बनेगा। आज आप बच्चों के साथ शॉपिंग करने मार्केट जायेंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए मिली ङ्क जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपके किसी निर्णय से परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। आज आप अपने काम को पूरा करने के लिए किसी करीबी की मदद ले सकते हैं, बेहतर होगा आप अपने विवेक का उपयोग करेंगे। आज आप समय निकालकर थोड़ी देर बुजुर्गों के साथ बैठेंगे, जिससे आपको जरूरी बातें पता चलेंगी।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक ङ्क ठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बढ़िया धन लाभ होगा , आपके घर में भौतिक साधनों की बढ़ोतरी होगी। आज आप किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए जीवनसाथी की मदद ले सकते हैं। आज कार्यभार की वजह से शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप ऑफिस की मीटिंग में अपने विचार रखेंगे , जो सभी को बहुत पसंद आयेंगे। आज किसी आदर्श व्यक्ति की प्रेरणा से सजगता और भरपूर ऊर्जा मिलेगी। आज आपके दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आएगी , जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज किसी काम में संघर्ष के बाद सफलता मिलने के योग हैं।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने कारोबार को और बड़ा बनाने का प्रयास करेंगे। आज आप किसी दोस्त से मिलने उसके घर जा सकते हैं, उससे मिलकर आपको खुशी मिलेगी। आज आपको संतान की तरफ से संतोषजनक नतीजे मिलने से सुकून मिलेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप घर शिफ्ट करने में अपने मित्र की मदद ले सकते हैं। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आज आपको कार्यप्रणाली में लाए गए परिवर्तन के अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं। आज आपका व्यवसायिक दृष्टिकोण कई मामलों को सुलझाने में सक्षम रहेगा।

"प्रेम हृदय की स्वामिनी : राधा रानी"

डॉ. रीना रवि मालपानी

राधा अष्टमी प्रेम स्वरूपा परम पुनिता किशोरी जी राधा रानी का प्राकट्य दिवस है। ईश्वर की लीला में कृष्ण जन्मोत्सव के आनंद से उल्लासित होने वाले सभी भक्त अब रासेश्वरी ब्रज की महारानी के प्राकट्य दिवस में प्रेम पूर्वक भक्ति की यात्रा की ओर अग्रसर होगें। कहते है श्री कृष्ण की प्रसन्नता राधे-राधे नाम में निहित है। बरसाने वाली राधा रानी तो केवल प्रेम की कृपा बरसाने के लिए प्रकट हुई है। कृष्ण की शक्ति स्वरूपा राधा रानी है। प्रेम स्वामिनी कोमल हृदय से परिपूरित चन्द्रचकोरी राधा प्रेम की अनुभूति ही भक्त के जीवन में प्रदान करती है। जहाँ प्रेम होता है वहाँ ज्ञान नगण्य हो जाता है। गुण-दोष समाप्त हो जाते है।

प्रेम एक बंधन नहीं अपितु बंधन से ऊपर सर्वस्व समर्पण है। राधा-कृष्ण का मधुर संगम जीवन में प्रेम की अनुपम धारा को प्रवाहित कर देता है। कृष्ण ब्रज से जाने के पश्चात् कभी प्रेम स्वरूपा राधा को नहीं भूले, उसी प्रकार राधा भी कृष्ण के वियोग के वेदना को ही शिरोधार्य करती रही। कृष्ण के प्रेम को ही राधा अपना सर्वस्व मानती है। ब्रज की महारानी प्रेम को छल से अलग रखने की ओर प्रेरित करती है और निश्छल-निष्काम प्रेम की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। जब कृष्ण ब्रज से गए तो वे किशोरी जी को बाँसुरी भेंट कर के गए और कह कर गए की मेरी स्मृति में तुम यह बाँसुरी बजा लेना। तब श्री राधा रानी ने कहा की कन्हैया की मैं तुम्हे कभी भूलूंगी ही नहीं तो फिर बंसी कब बजाऊँगी।

राधा केवल एक नाम नहीं है बल्कि कोमल, माधुर्य एवं प्रेम हृदय की स्वामिनी का एक भाव है, जीवन में प्रेमपूर्वक की गई भक्ति का आनंद प्रवाहित करता है। राधा प्रेम की अभिव्यक्ति है। भावों की सरलता एवं सुंदरता से सुशोभित होती है। राधा की भक्ति में सर्वस्व श्री कृष्ण का निष्काम प्रेम है। राधा के प्रेम की शक्ति के अधीन श्री कृष्ण राधे नाम स्मरण करने से स्वयं भक्त के समक्ष होते है। जिस प्रकार कृष्ण के हृदय में राधे है उसी प्रकार राधे के

हृदय में प्रेम स्वरुप श्री कृष्ण विराजमान है। हमें भी अपने जीवन में उस प्रेम के प्रतीक राधे-कृष्ण की जोड़ी को हृदय में विराजमान करना है। उद्धव श्री कृष्ण को ब्रह्म स्वरुप जानते थे और यही ज्ञान वह ब्रज वासियों को देने के लिए ब्रज गए, परन्तु ब्रज में निवासरत सभी के निष्काम प्रेम ने उद्धव के ज्ञान को भी प्रेम की भक्ति में परिवर्तित कर दिया। श्री कृष्ण के प्रति ब्रज वासियों का निश्छल प्रेम कृष्ण के प्रति अपनत्व के भावों ने उद्धव के ज्ञान को उद्वेलित कर दिया। वे समझ गए की जीवन में प्रेम का कितना महत्त्व है।

प्रेम की उत्कृष्ट भावों की माला में राधा-कृष्ण का सर्वोच्च स्थान है। वे दोनों एक ही स्वरुप है। कृष्ण प्रत्येक प्राणी को आकर्षित करते है और राधा उनमें प्रेम भाव प्रवाहित करती है, पर राधा के प्रेम में आकर्षण नहीं बल्कि सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा निहित है। उस प्रेम में प्रेमी का कल्याण और हित होता है। वृन्दावन विहारिणी रासेश्वरी कृष्ण की सहचरी नहीं है बल्कि उनकी दिव्य शक्ति स्वरूपा है। अगाध प्रेम की स्वामिनी राधा रानी का प्राकट्य वृषभानु (सूर्य भगवान के अवतार) के यहाँ हुआ, क्योंकि भगवान विष्णु के अवतार विश्व मोहिनी का स्वरुप देखकर सूर्य भगवान के मन में उन्हें पुत्री रूप में प्राप्त करने की इच्छा हुई और ईश्वर तो भक्त के अधीन होते है और प्रभु ने भक्त की इच्छा पूर्ण करने के लिए राधा रानी के रूप में आना स्वीकार किया और भाद्रपद की शुक्ल अष्टमी को राधा रानी का प्राकट्य हुआ। श्री राधा रानी प्रेम, भक्ति और कृपा की अधिष्ठात्री देवी है। राधा के लिए श्री कृष्ण उनका सम्पूर्ण संसार है। निष्काम प्रेम की प्रतिमूर्ति राधे भक्त को हृदय में शांति एवं प्रेम प्रदान करती है।

राधा रानी का प्राकट्य हमें शिक्षा देता है कि कृष्ण तक पहुँचने का सबसे सुलभ मार्ग निश्छल एवं निष्काम प्रेम है, प्रभु उसी के अधीन होते है। राधा रानी के प्रेम में सर्वस्व समर्पण था कोई अपेक्षा नहीं थी। राधा अष्टमी कोई धार्मिक तिथि या त्यौहार नहीं है बल्कि यह प्रेम और करुणा से ईश्वर की साधना का सर्वोच्च समय है। राधा का प्राकट्य श्री कृष्ण की भक्ति को परिपूर्णता प्रदान करने के लिए ही हुआ है, जिससे प्रेम के बीज का अंकुरण हृदय में होता है।

आज के भौतिकतावादी युग में निष्काम प्रेम का भाव नगण्य हो गया है, पर प्रभु से निष्काम प्रेम किया जा सकता है क्योंकि वे ही प्रेम की सच्चाई से पूर्णत: परिचित है। राधा रानी का स्वरुप हमें प्रेम के प्रति दृढ़ता सिखाता है। ईश्वर प्राप्ति में आडम्बर नहीं वरन शुद्ध हृदय से प्रेम का भाव महत्वपूर्ण है। राधा का प्रेम निष्कपटता, समर्पण, त्याग एवं करुणा जैसे अलंकारों से सुशोभित होता है। उसमें स्वार्थ का कोई अस्तित्व नहीं है। भक्त जब श्री राधा रानी की शरण में जाता है तो वह प्रेम पूर्वक अपनी भक्ति की यात्रा को पूर्ण करता है। कृष्ण राधा का सम्बन्ध लौकिक एवं अलौकिक प्रेम से ऊपर निष्काम प्रेम का प्रतीक है। वह प्रेम भक्ति और करुणा का अटूट संगम है। राधा अष्टमी में व्रत एवं पूजा का विधान सिर्फ ईश्वर के प्रति भाव को प्रगाढ़ करने के लिए है। राधा रानी मूलत: जीवन में प्रेमभाव को प्रबलता प्रदान करती है और ईश्वर से मिलन का मार्ग प्रशस्त करती है। तो आइये हम श्री कृष्ण वल्लभा राधे राधे के नाम उद्घोष से कृष्ण की कृपा को प्राप्त कर आध्यात्मिक यात्रा की ओर उन्नयन करते है। जय जय श्री राधे।

संक्षिप्त-समाचार

इंडिया ब्लॉक में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर रोहिणी आचार्या ने दिया बयान

पटना (आरएनएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में शनिवार को राजद अध्यक्ष लालू यादव की पुत्री रोहिणी आचार्या भी शामिल हुई हैं। इस बीच, उन्होंने इंडिया ब्लॉक में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर एक अजीबोगरीब बयान दिया है उन्होंने कहा कि अभी शादी नहीं है, सुहागरात किसके साथ मनाया जाएगा, इसकी चिंता है। उन्होंने कहा कि जो जरूरी है, वही पहले होगा। दरअसल, उन्होंने आज मीडिया से बातचीत में कहा कि अभी मतदाताओं के अधिकार की लड़ाई चल रही है। अभी शादी की बात ही नहीं चल रही है और सुहागरात किसके साथ मनाया जाएगा, उसकी चर्चा हो रही है। जो ज्यादा जरूरी है, उसकी बात नहीं होगी। इस दौरान, उन्होंने आगे नीतीश कुमार की सरकार पर तेजस्वी यादव की घोषणाओं को नकल करके लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता एनडीए को जवाब देगी। उन्होंने कहा कि आज उन्हें नौकरी और रोजगार दिखाई पड़ने लगे हैं, पहले कहां थे? इन लोगों ने बिहार में एक सुई की फैक्ट्री भी नहीं लगाई है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि सारण में जो कुछ भी है, वह लालू यादव और तेजस्वी यादव का किया हुआ है। प्रधानमंत्री हर बार चुनाव में बोलकर जाते हैं, लेकिन कुछ होता नहीं है। जब तेजस्वी यादव ने घोषणाएं कीं, तब ये लोग उसी का कॉपी-पेस्ट कर योजना लागू कर रहे हैं। ? रोहिणी आचार्या पिछले लोकसभा चुनाव में सारण से राजद की टिकट पर चुनाव लड़ी थीं। हालांकि, उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। उन्हें भाजपा के प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी ने पराजित किया था। रोहिणी आचार्या ने कहा कि इस चुनाव में भाजपा का सफाया तय है। उन्होंने शुक्रवार को कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हुई मारपीट को लेकर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा तो संस्कारी पार्टी है। वह लाठी डंडे भी संस्कार के साथ चलाती है।

दिल्ली पुलिस ने ड्रग पैडलर को किया गिरफ्तार, 30.595 किलो गांजा बरामद

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्वी जिले की पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ड्रग पैडलर को 30.595 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने गुरुवार को आईएसबीटी आनंद विहार के पास चेकिंग के दौरान यह सफलता हासिल की। आरोपी की पहचान विवेक कुमार उर्फ किट्टू (19), निवासी जिला पटना, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, एचसी अजय कुमार और कांस्टेबल रवि क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने एक युवक को चार बैग लिए हुए संदिग्ध अवस्था में देखा। पुलिस टीम को देखकर वह घबरा गया और भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन उसे तुरंत पकड़ लिया गया। जब बैगों की जांच की गई तो उनमें पैक किया गया गांजा मिला।पकड़े गए आरोपी विवेक ने पूछताछ में बताया कि यह गांजा उसे उसके गांव के ही सुरंजन कुमार यादव ने दिया था, जिसे दिल्ली के मोती नगर और रघुबीर नगर में सप्लाई करना था। आरोपी पिछले एक साल से गांजा सप्लाई के धंधे में शामिल था। उसने अब तक 9-10 बार बिहार से दिल्ली तक खेप पहुंचाई। डिलीवरी की पूरी प्लानिंग व्हाट्सएप कॉल्स और लोकेशन शेयरिंग के जरिए की जाती थी। हर खेप लाने पर उसे 10 से 20 हजार रुपए मिलते थे। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी ने बताया कि अक्सर उसके साथ उसका नाबालिग साथी शिव शंकर भी रहता था, ताकि संदेह कम हो। घटना के दिन भी वह साथ था, लेकिन विवेक की गिरफ्तारी से पहले ही फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। विवेक कुमार उर्फ किट्टू, 19 वर्षीय युवक, बिहार के पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के गांव सिकंदरा धनवान का निवासी है। वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखता है, जहां उसके पिता किसान हैं। परिवार में मां, चार बहनें और एक भाई हैं। विवेक की शिक्षा केवल छठी कक्षा तक सीमित रही, जिसके बाद उसने मजदूरी शुरू की। हालांकि, बाद में वह नशा तस्करी के गैरकानूनी धंधे में शामिल हो गया। पुलिस ने उसके कब्जे से कुल 30.595 किलोग्राम गांजा बरामद किया है।

बिहार के लोग गाली-गलौज की भाषा बर्दाश्त नहीं कर सकते : ललन सिंह

पटना (आरएनएस)। बिहार में इस साल होने वाले चुनाव से पूर्व कथित वोट चोरी के विरोध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में बिहार महागठबंधन द्वारा निकाली गई वोटर अधिकार यात्रा ने प्रदेश की सियासत को गर्म कर रखा है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने इसे फर्जीवाड़ा की यात्रा बताया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि जिस पीएम ने देश का मान दुनिया में बढ़ाया है, उनकी स्वर्गीय माता को इंगित करके गाली दी जा रही है। बिहार के लोग इस तरह की भाषा को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने राजद के शासनकाल को याद कराते हुए कहा कि जब तेजस्वी यादव के माता-पिता का शासन था, 1990 से 2005 तक, तब लोग ऐसी ही भाषा का इस्तेमाल करते थे। इस भाषा ने यह साबित किया है कि ये लोग बिहार में फिर से उसी संस्कृति को वापस लाना चाहते हैं। इसे लेकर बिहार के लोग बहुत सजग हैं। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के भाजपा द्वारा फेक नैरेटिव फैलाने के आरोपों को नकारते हुए उन्होंने कहा कि सही में तेजस्वी यादव और राहुल गांधी फेक नैरेटिव सेट करने में लगे हैं। संविधान की पुस्तक लेकर घूम रहे हैं। लोकसभा में संविधान की पुस्तक लेकर आते हैं। संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने कहा है कि लोग अपनी नागरिकता साबित करें। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता पर तो कई बार सवाल पहले ही उठ चुका है। वह तो अपनी नागरिकता पहले साबित करें। वे लोग खुद फर्जीवाड़ा कर रहे हैं और मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि वे लोग हताशा में हैं, जिस कारण गाली-गलौज की भाषा पर उतर आए हैं। शुक्रवार को कांग्रेस-भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच हुए झड़प पर उन्होंने कहा कि हर एक्शन का रिएक्शन तो होगा ही, यह स्वाभाविक है। अगर कोई पीएम मोदी की स्वर्गीय माता को गाली देगा, तो प्रतिक्रिया होगी ही।

भूस्खलन के बाद वैष्णो देवी यात्रा शनिवार को लगातार पाँचवें दिन स्थगित रही

-दर्शन को तरस रहे हजारों भक्त

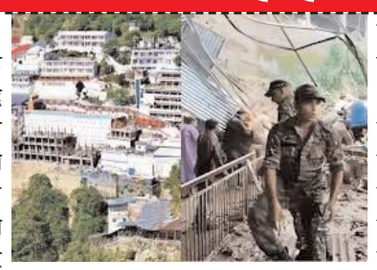

श्रीनगर (ए.)। जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद वैष्णो देवी यात्रा शनिवार को लगातार पाँचवें दिन स्थगित रही। भारत के अन्य हिस्सों से आए कई भक्त अभी भी कटरा में रुके हुए हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि यात्रा जल्द ही फिर से शुरू होगी और वे दर्शन कर पाएँगे। सरोज सिंह नाम की एक भक्त ने एएनआई को बताया कि मुझे माता के दर्शन करने की उम्मीद थी, लेकिन मैं निराश हो रही हूँ। मुझे उम्मीद है कि वह मेरी प्रार्थना सुनेंगी और मैं दर्शन कर पाऊँगी। मैं 2 से 4 दिन और रुकूँगी। जब तक मैं दर्शन नहीं कर लेती, मैं नहीं जाऊँगी। मुझे बहुत उम्मीद है, मैं यहाँ पहली बार आई हूँ। रमेश शर्मा नाम के एक अन्य श्रद्धालु ने एएनआई को बताया कि मैं हर साल यहाँ आता हूँ। माता में मेरी आस्था है। मैं दर्शन किए बिना नहीं जाऊँगा। इस बार थोड़ी पीड़ा ज़रूर हुई। मैं दर्शन किए बिना वापस नहीं आऊँगा... चाहे मुझे कितने भी दिन रुकना पड़े, मैं रुकूँगा। मैं प्रार्थना करता हूँ कि माता जी उन लोगों को अपने चरणों में स्थान दें जिन्होंने अपनी जान गँवाई और जो घायल हुए हैं उन्हें ठीक करें। इस बीच, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 26 अगस्त को श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में अधकुंवारी के पास हुए भूस्खलन के कारणों की जाँच के लिए एक उच्च-स्तरीय तीन-सदस्यीय समिति के गठन का आदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर के जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालीन काबरा इस समिति के अध्यक्ष होंगे, जिसमें जम्मू के संभागीय आयुक्त और पुलिस महानिरीक्षक शामिल हैं। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, समिति में जम्मू के संभागीय आयुक्त और पुलिस महानिरीक्षक भी शामिल हैं। समिति को विस्तृत जांच करने और दो सप्ताह के भीतर एलजी सिन्हा, जो श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (SMVDSB) के अध्यक्ष भी हैं, को अपनी रिपोर्ट सौंपने का काम सौंपा गया है। आदेश में कहा गया है कि समिति घटना के कारणों और कारणों की विस्तार से जांच करेगी और किसी भी चूक को इंगित करेगी, बचाव और राहत उपायों के रूप में प्रतिक्रियाओं का आकलन करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उपयुक्त एसओपी और उपाय सुझाएगी।

बिहार में डबल अलर्ट : आतंकी घुसपैठ के बाद अब पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पटना (आरएनएस)। बिहार में तीन पाकिस्तानी आतंकियों की घुसपैठ के अलर्ट के ठीक एक दिन बाद, राजधानी पटना के सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिससे पूरे प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। एक अज्ञात ईमेल के जरिए यह धमकी दी गई, जिसमें कोर्ट परिसर में 4 आरडीएक्स विस्फोट करने की चेतावनी दी गई है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद ही कोर्ट में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में पूरे परिसर को खाली करा लिया गया। सूचना मिलते ही जज, वकील और अन्य सभी कर्मचारी तुरंत कोर्ट से बाहर निकल गए। मौके पर भारी पुलिस बल और बम निरोधक दस्ता पहुंचकर जांच में जुट गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, गुरुवार को भेजे गए इस ईमेल में साफ तौर पर लिखा गया था कि 29 अगस्त को पटना सिविल कोर्ट में चार शक्तिशाली RDX IED ब्लास्ट किए जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बादल फटने के बाद प्रभावित क्षेत्र में खोज और बचाव अभियान जारी है।

कालकाजी मंदिर के सेवादार की पीट-पीटकर हत्या, चुन्नी प्रसाद को लेकर हुआ था झगड़ा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के कालकाजी मंदिर में चुन्नी प्रसाद को लेकर हुई बहस के बाद हुए हिंसक झगड़े में सेवादार की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह घटना शुक्रवार देर शाम हुई, जब लोगों के एक समूह ने पीड़ित से झगड़ा किया, जिसकी पहचान 35 वर्षीय योगेंद्र सिंह के रूप में हुई, जो पिछले 14-15 सालों से मंदिर में 'सेवादार' के रूप में काम कर रहा था। मृतक योगेंद्र उत्तर प्रदेश के हरदोई स्थित फतेपुर का रहने वाला था। दिल्ली पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे एक पीसीआर कॉल मिली, जिसके बाद पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1)/3(5) के तहत एफआईआर नंबर 515/25 दर्ज की गई है। पुलिस ने खुलासा किया कि इस घटना में शामिल एक आरोपी, अतुल पांडे (30), जो दक्षिणपुरी, दिल्ली का निवासी है, को जनता ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया। हालांकि, बाकी आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस ने कहा कि अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है और उन्हें पकड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

त्योहारों के अवसर पर आगरा कैंट-असारवा-आगरा कैंट विशेष ट्रेन का संचालन

यह गाड़ी कोटा मंडल के बयाना जंक्शन, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, केशोराय पाटन, बूंदी, मंडलगढ़, चंदेरिया स्टेशनों से होकर गुजरेगी

कोटा (निप्र)यात्रियों की सुविधा हेतु आगामी त्योहारों के विशेष अवसर पर रेलवे प्रशासन द्वारा आगरा कैंट-असारवा-आगरा कैंट के मध्य दैनिक विशेष ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 01919 (आगरा कैंट-असारवा) का संचालन दिनांक 21 सितम्बर 2025 से 30 नवम्बर 2025 तक प्रतिदिन कुल 71 फेरे के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन आगरा कैंट स्टेशन से प्रतिदिन रात्रि 23.30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन मार्ग में अगले दिन 01.48 बजे बयाना, 02.50 बजे गंगापुर सिटी, 03.35 बजे सवाई माधोपुर, 04.48 बजे केशोराय पाटन, 05.53 बजे बूंदी, 06.38 बजे मंडलगढ़, एवं 07.50 बजे चंदेरिया स्टेशनों पर ठहरते हुए 16.35 बजे असारवा पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01920 (असारवा-आगरा कैंट) का संचालन दिनांक 22 सितम्बर 2025 से 01 दिसम्बर 2025 तक प्रतिदिन कुल 71 फेरे के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन असारवा स्टेशन से प्रतिदिन शाम 17.50 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन मार्ग में अगले दिन 01.33 बजे चंदेरिया, 02.18 बजे मंडलगढ़, 03.15 बजे बूंदी, 03.58 बजे केशोराय पाटन, 05.18 बजे सवाई माधोपुर, 06.10 बजे गंगापुर सिटी एवं 07.48 बजे बयाना स्टेशनों पर ठहरते हुए 10.20 बजे आगरा कैंट पहुंचेगी। यह गाड़ी रास्ते में दोनों दिशाओं में फतेहपुर सीकरी, रूपबास, बयाना जंक्शन, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, केशोराय पाटन, बूंदी, मंडलगढ़, चंदेरिया, मावली जंक्शन, उदयपुर सिटी, जावर, डूंगरपुर, हिम्मतनगर स्टेशन पर ठहराव लेकर गंतव्य को जाएगी

कोच संरचना:
इस विशेष ट्रेन में 08 शयनयान श्रेणी, 08 सामान्य श्रेणी, 02 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी एवं 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के डिब्बे सहित कुल 21 डिब्बे होंगे। यात्रियों से अपील है कि यात्रा से पूर्व गाड़ियों की स्थिति, समय एवं ठहराव की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indian-rail.gov.in अथवा एनटीईएस मोबाइल ऐप का

जापान की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद चीन के लिए रवाना होते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया।

रेप केस में सजा काट रहे आसाराम ने अंतरिम जमानत की अवधि पूरी होने पर जोधपुर जेल में किया सरेंडर

जोधपुर,(आरएनएस)। नाबालिग से रेप के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम ने शनिवार, 30 अगस्त को जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया है। राजस्थान हाई कोर्ट ने 27 अगस्त को उसकी अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद उसे यह कदम उठाना पड़ा। आसाराम को जनवरी 2025 में पहली बार 12 साल बाद अंतरिम जमानत मिली थी। उसने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जमानत मांगी थी। जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, आसाराम की तबीयत स्थिर है और उसे अस्पताल में भर्ती होने या लगातार चिकित्सा देखभाल की जरूरत नहीं है। अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के मेडिकल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि आसाराम ने पिछले कुछ महीनों में इलाज के लिए कई यात्राएं कीं हैं और विभिन्न शहरों के अस्पतालों में सलाह ली है, लेकिन किसी भी अस्पताल में नियमित फॉलोअप नहीं कराया है। कोर्ट ने आसाराम के वकील की उस दलील को भी खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एम्स जोधपुर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए स्वास्थ्य में गिरावट की बात कही थी।

राजसमंद विधायक दिप्ती माहेश्वरी सड़क दुर्घटना में घायल

राजसमंद (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी की नेता और राजसमंद से विधायक दीप्ति माहेश्वरी की गाड़ी शनिवार सुबह उदयपुर-राजसमंद हाईवे पर एक भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई है यह हादसा देलवाड़ा थाना क्षेत्र में हाईवे पर सुरंग के पास हुआ। बताया जा रहा है कि यह घटना तब हुई जब विधायक अपने राजनीतिक कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद उदयपुर जा रही थीं। इस हादसे में विधायक दीप्ति माहेश्वरी, उनके गनमैन और ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घायलों को उदयपुर के गीतांजलि अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विधायक के कंधे में फ्रैक्चर हुआ है, जबकि अन्य घायलों की हालत भी चिंताजनक बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत पर नजर रख रही है। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

कोटा मंडल के वाणिज्य कर्मियों की तत्परता से बचा 13 वर्षीय बालक

कोटा, (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल के वाणिज्य विभाग के टिकट चेकिंग स्टाफ ने अपनी सतर्कता और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए एक नाबालिग बालक की सुरक्षा सुनिश्चित की। कोटा मंडल के मुख्य टिकट संग्राहक कार्यालय में कार्यरत सीसीटीसी फतेह सिंह गुर्जर एवं मुनेश मीना द्वारा नियमित टिकट जांच के दौरान पाया गया कि लगभग 13 वर्ष का एक बालक बिना टिकट और बिना किसी अभिभावक के यात्रा कर रहा है। पूछताछ में बच्चे ने अपना नाम विष्णु कुमार नोनिया, जिला साहिबगंज (झारखंड) बताया। टिकट चेकिंग स्टाफ ने तुरंत मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी सूचना वाणिज्य कंट्रोल कोटा को दी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन के मार्गदर्शन में आरपीएफ थाना कोटा की सहायता से बच्चे को सुरक्षित रूप से चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के सदस्य रितेश कुमार को सुपुर्द किया गया, ताकि उसे सही-सलामत उसके माता-पिता अथवा अभिभावकों तक पहुँचाया जा सके। यात्रियों की सुरक्षा व संरक्षा के साथ-साथ इस तरह की त्वरित कार्यवाही यह दर्शाती है कि कोटा मंडल का स्टाफ अपने दायित्वों के प्रति पूर्णत: सजग और उत्तरदायी है।

विवाह प्रमाण पत्र की अनुपलब्धता विवाह को अवैध नहीं बनाती : इलाहाबाद उच्च न्यायालय

प्रयागराज (ए.)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने एक निर्णय में कहा है कि यह स्थापित कानून है कि विवाह प्रमाण पत्र, उस विवाह को साबित करने का एक साक्ष्य है लेकिन इस प्रमाण पत्र की अनुपलब्धता विवाह को अवैध नहीं बनाती है। इस टिप्पणी के साथ उच्च न्यायालय ने आजमगढ़ की परिवार अदालत के निर्णय को रद्द कर दिया। निचली अदालत ने विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र पेश करने से छूट देने का याचिकाकर्ता का आवेदन खारिज कर दिया था। सुनील दूबे नामक एक व्यक्ति की रिट याचिका स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति मनीष निगम ने कहा कि जब हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार हिंदू विवाह संपन्न होता है, तब इस अधिनियम की धारा आठ(एक) के तहत विवाह के साक्ष्य के लिए राज्य सरकार को विवाह पंजीकरण के नियम बनाने का अधिकार है। उच्च न्यायालय ने 26 अगस्त के अपने निर्णय में कहा, लेकिन रजिस्टर में विवाह की प्रविष्टि कराने में विफल रहने की वजह से विवाह की वैधता प्रभावित नहीं होती है। वैसे तो राज्य सरकार विवाह के अनिवार्य पंजीकरण के लिए नियम बनाती है,लेकिन पंजीकरण के अभाव में विवाह को अवैध घोषित करने का नियम नहीं हो सकता।

ट्रंप की वर्चस्व दिखाने की नीति से अमेरिका को ही नुकसान होगा : इमरान मसूद

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने अमेरिकी कोर्ट के उस फैसले का समर्थन किया है, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए अधिकांश टैरिफ को गैरकानूनी करार दिया गया। मसूद ने कहा कि एक समझदार नेता को देश का नेतृत्व करते समय लाभ-हानि का आकलन करना चाहिए। उन्होंने ट्रंप पर आरोप लगाया कि वह बिना सोचे-समझे नीतियां लागू कर रहे हैं। इससे अन्य देशों को कितना नुकसान होगा यह तो दूसरी बात है, लेकिन खुद अमेरिका की अर्थव्यवस्था को कितना नुकसान होगा, वे इसका आकलन नहीं कर रहे हैं।कांग्रेस सांसद के अनुसार, ट्रंप की दादागिरी और वर्चस्व दिखाने की नीति से अमेरिका की वैश्विक स्थिति कमजोर होगी।बिहार में चल रही वोटर अधिकार यात्रा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के शामिल होने पर कहा कि राहुल गांधी ने एक नई क्रांति की शुरुआत कर दी है। यह क्रांति एक चिंगारी की तरह है, जो पूरे देश में फैल रही है और इससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बौखला गई है।

एनएच पर बेतरतीब वाहन चलाने वाले 1.73 लोगों का 7 महीने में कटा चालान

पटना (ए.)। सड़क दुर्घटना की सबसे प्रमुख कारणों में ओवर स्पीडिंग और नियमों की अनदेखी करना है। ट्रैफिक पुलिस के स्तर से की गई सघन जांच और बेतरतीब तरीके से वाहन चलाने वालों के खिलाफ की गई सख्त कार्रवाई की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। सिर्फ राज्य में मौजूद सभी राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर इस वर्ष जनवरी से जुलाई तक यानी सिर्फ 7 महीने में नियमों की अनदेखी कर बेतरतीब तरीके से वाहन चलाने वाले 1 लाख 73 हजार 143 लोगों के चालान कटे, जिससे 26 करोड़ 27 लाख रुपये जुर्माना के तौर पर वसूला गया। इसमें सबसे ज्यादा ओवरस्पीडिंग या निर्धारित गति से अधिक स्पीड पर वाहन चलाने की वजह से चालान काटे गए हैं। इसके अलावा सीट बेल्ट नहीं लगाने, गलत ओवरटेकिंग करने समेत ऐसे अन्य सड़क से जुड़े नियमों का पालन सही तरीके से नहीं करने की वजह से जुर्माना देना पड़ा है। इन्हीं लापरवाहियों की वजह से सड़क हादसों की संख्या में इजाफा हो रहा है। प्रमुख सड़कों खासकर एनएच पर सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए कई स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इस मामले में एडीजी (यातायात) सुधांशु कुमार का कहना है कि वर्ष 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में 50 फीसदी तक की कमी करने का लक्ष्य रखा गया है। इसे लेकर कई स्तर पर सुधारात्मक प्रयास भी शुरू कर दिए गए हैं। तीन हजार किमी से अधिक लंबे एनएच पर पेट्रोलिंग करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त पेट्रोलिंग वाहनों की तैनाती की गई है। इन पेट्रोलिंग वाहनों की मदद से ओवर स्पीडिंग वाले वाहनों की गति जांच करके चालाना काटने से लेकर अन्य ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है। ताकि एनएच पर दुर्घटनाओं को कम करने में मदद मिले।

नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक ने बनाई अलग पहचान

मुंबई (ए.)। एक्ट्रेस नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक ऐसे नाम हैं जो पंजाबी सिनेमा और टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखते हैं। पंजाबी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने में इन दोनों का योगदान काफी महत्वपूर्ण है। दोनों ने अपने अभिनय के दम पर पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री को मजबूती दी है और साथ ही दर्शकों का मनोरंजन भी किया है। जहां नीरू बाजवा को पंजाबी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिना जाता है, वहीं रुबीना दिलैक ने टीवी और फिल्मों दोनों में अपनी छाप छोड़ी है। दोनों कलाकारों ने न केवल पंजाबी फिल्मों में काम किया, बल्कि टेलीविजन पर भी अपनी अच्छी-खासी मौजूदगी दर्ज कराई है। उनकी फिल्मों और सीरियल्स ने पंजाब की संस्कृति, लोगों के जीवन और पारिवारिक रिश्तों को खूबसूरती से पेश किया है। इसी वजह से वे पंजाबी सिनेमा और टीवी की जानी-मानी हस्तियां बन चुकी हैं। नीरू बाजवा का जन्म 26 अगस्त 1980 को कनाडा के सरे शहर में हुआ था। वह एक भारतीय परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत 1998 में हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की से की थी, लेकिन बाद में उन्होंने पंजाबी फिल्मों में ज्यादा काम किया और वहां उन्हें काफी सफलता मिली। नीरू की पंजाबी फिल्मों में जट्ट एंड जूलियट, सरदार जी, लौंग लाची, शादा जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं।

उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई और तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार भी जीता। पंजाबी फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। नीरू ने सिर्फ अभिनय ही नहीं किया, बल्कि पंजाबी फिल्मों के निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमाया है। 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म सरगी का निर्देशन किया, जो उनकी बहन रुबीना बाजवा की शानदार फिल्म थी। नीरू का योगदान सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, उन्होंने हॉलीवुड की अलौकिक थ्रिलर फिल्म इट लिव्स इनसाइड (2023) के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छवि बनाई। नीरू बाजवा ने टीवी में भी काम किया, जिसमें अस्तित्व...एक प्रेम कहानी, जीत, बंदूकें गुलाब, और हरी मिर्ची लाल मिर्ची जैसे सीरियल शामिल हैं। वह हाल ही में रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में भी नजर आईं। रुबीना दिलैक की बात करें, तो उनका जन्म 26 नवंबर 1989 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में हुआ। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद मॉडलिंग और अभिनय की ओर रुख किया।

रुबीना ने टीवी इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की, लेकिन पंजाबी फिल्मों में अपनी पहचान बनाई। टीवी सीरियल छोटी बहू में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया। इसमें उन्होंने राधिका नाम की लड़की का किरदार निभाया, जो घर-घर में मशहूर हुआ। इसके बाद वह सास बिना ससुराल, शक्ति-अस्तित्व के एहसास की, पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद, देवों के देव...महादेव, जीनी और जूजू जैसी सीरियल्स में नजर आईं। उन्होंने बिग बॉस 14, फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 12, और झलक दिखला जा 10 सहित कई रियलिटी शो किए। वह बिग बॉस 14 की विजेता भी रहीं।

हमेशा मेरे दिल में बसा रहेगा थिक्से मठ : यामी गौतम

मुंबई (ए.)। लेह के ऐतिहासिक थिक्से मठ का बालीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने हाल ही में दौरा किया। अभिनेत्री ने इस खूबसूरत और रोमांचक अनुभव को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। यामी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर लेह की खूबसूरत यात्रा की तस्वीरें पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मैं थिकसे मठ गई, जो बहुत सुंदर और सबसे पुराने मठों में से एक है। वहां पर मंत्रों और प्रार्थनाओं की आवाज को सुनना एक ऐसा अनुभव था जो हमेशा मेरे दिल में बसा रहेगा। लेह। बता दें, थिक्से मठ एक तिब्बती बौद्ध मठ है जो लद्दाख के लेह से लगभग 19 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है, और यह लद्दाख का सबसे बड़ा मठ है। यह अपनी आकर्षक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, जो तिब्बत के ल्हासा में पोटाला पैलेस से प्रेरित है, जिसके कारण इसे मिनी पोटाला भी कहा जाता है। मठ में मैत्रेय बुद्ध की 15 मीटर ऊंची प्रतिमा, प्राचीन भित्ति चित्र, कलाकृतियां और एक संग्रहालय भी है। यामी की एक्टिंग की बात करें तो वे सिर्फ कहानी में फिट नहीं होतीं, बल्कि उसे और बेहतर बना देती हैं। वे हर बार दर्शकों के लिए कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उन पर गहरा असर छोड़ता है।

अभिनेत्री ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टीवी सीरियल ये प्यार न होगा कम से की थी, जिसमें उन्होंने अहम किरदार निभाया था। हिंदी सिनेमा में यामी ने फिल्म विक्की डोनर से की थी। इसके बाद उन्होंने फिल्म उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक में एक तेज-तर्रार इंटेलिजेंस ऑफिसर का किरदार निभाया था। इसके बाद यामी ने एक नया सफर शुरू किया। ए थर्सडे में उन्होंने एक स्कूल टीचर का रोल किया; उनका ये किरदार भी पिछले से हटकर था और लोगों को पसंद आया। इसके बाद वह फिल्म ओह माई गॉड-2 में वकील के रोल में दिखी थीं। यामी के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वह फिल्म में इमरान हाशमी के साथ नजर आएंगी।

कुछ योगासन से झुकना या बैठना हो जाता है आसान

मुंबई (ए.)। बालीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए योग के महत्व पर प्रकाश डाला है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके बताया कि कैसे योग पैरों की निचली मांसपेशियों को लचीला बनाता है। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि कुछ योगासन से झुकना या बैठना आसान हो जाता है।

शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह योगासन करती नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा, जब आप योग मैट पर हों, तो बस उसी पल में रहें। अभिनेत्री ने आसन के बारे में भी जानकारी दी। समझाते हुए लिखा, ये पोज पैरों की निचली मांसपेशियों को लचीला बनाता है खासकर कूल्हों, हैमस्ट्रिंग्स (जांघ के पिछले हिस्से), अंदरूनी जांघों और ग्रोइन को अच्छे से खींचता है। रोजमर्रा की हरकतें जैसे नीचे झुकना या बैठना (स्क्वाट करना) आसान हो जाती हैं। कूल्हों की जकड़न कम होती है और वहां की हड्डियां और मांसपेशियां ज्यादा खुलती हैं। टखनों और घुटनों में रक्तसंचार बढ़ता है जिससे वे मजबूत बनते हैं। पेल्विक (शरीर के निचले हिस्से) की मांसपेशियों को भी स्ट्रेच और मजबूत करता है। शरीर का संतुलन और स्थिरता बेहतर होती है यह पेट और आसपास की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, जिससे शरीर का नियंत्रण बढ़ता है। शिल्पा हमेशा खुद को फिट रखने पर जोर दिया करती हैं। इसके लिए वह रोजाना वर्कआउट करती हैं। उन्होंने जिम के जरिए अपनी ताकत और लचीलापन बढ़ाया है।

इससे पहले शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि कैसे कार्डियो एक्सरसाइज करके कैलोरी बर्न कर सकते हैं। वीडियो में वह जंपिंग जैक्स, स्टैंडिंग क्रंचेस, और जुम्बा डांस करती नजर आ रही थीं। शिल्पा ने अपनी पोस्ट को कैप्शन दिया,

फिट रहने का सफर बोरिंग नहीं होना चाहिए। किसने कहा कि कैलोरी बर्न करना मजेदार नहीं हो सकता? यह मेरा तरीका है। यह कैलोरी फैट को घटाने के साथ-साथ फेफड़ों को भी मजबूत करती है। बता दें कि एक्ट्रेस शिल्पा न सिर्फ अपने अभिनय के लिए चर्चाओं में रहती हैं बल्कि अपनी हेल्दी लाइफस्टाइल और पॉजीटिव सोच के लिए भी चर्चा में रहती हैं।

'बिग बॉस 19' में एक्ट्रेस अशनूर कौर की एंट्री

मुंबई (ए.)। 'बिग बॉस 19' में एक्ट्रेस अशनूर कौर की भी एंट्री हो चुकी हैं। इस अवसर पर स्टाग्राम पर अशनूर की एक वीडियो क्लिप साझा की गई है, जिसमें वे प्रशंसकों का आभार जता रही हैं। इस क्लिप में उन्होंने बिग बॉस जाने से पहले की तैयारियों की एक झलक भी दिखाई है। अशनूर कौर 'बिग बॉस 19' की सबसे युवा प्रतिभागी हैं। उन्होंने शो में प्रवेश करने के बाद इसे जीतने की इच्छा भी जाहिर की थी। अशनूर की टीम ने ये वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आपके प्यार, दुआओं और साथ से आखिरकार अशनूर कौर ने बिग बॉस के घर में एंट्री कर ली है। जो फैंस उन्हें चार साल की नन्ही बच्ची से आज तक बढ़ते देख रहे हैं, उनके लिए यह खास मौका है, पहली बार रियलिटी टीवी पर असली अशनूर को देखने का, जो खूबसूरत, बेबाक और बहुत भावुक भी हैं।

हम बेहद खुश हैं कि आप सभी इस सफर का हिस्सा बने हैं और अपने सपोर्ट से इसे और यादगार बना रहे हैं। अशनूर को चीयर करते रहिए, अपना प्यार बांटते रहिए और तैयार हो जाइए ढेर सारी नई और अनमोल यादों के लिए। अब असली रोमांच की शुरुआत होती है।इस वीडियो में अशनूर ने ये बताया कि जब तक वो ये वीडियो देखेंगे तब तक वह शो में प्रवेश कर चुकी होंगी। साथ ही उन्होंने फैंस को इतना सारा प्यार और सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद भी कहा है। यह वीडियो उन्होंने बिग बॉस हाउस में जाने से पहले बनाया था। अशनूर कौर ने अपना करियर छोटी उम्र में ही शुरू कर दिया था।

उन्होंने 2009 में ऐतिहासिक टीवी सीरियल झांसी की रानी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो साथ निभाना साथिया, शोभा सोमनाथ की, ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, और बड़े अच्छे लगते हैं जैसे सीरियल्स में काम कर चुकी हैं। 'बिग बॉस' में आने से पहले उन्होंने 'सुमन इंदौरी' टीवी सीरियल में मुख्य अभिनेत्री के किरदार में लोगों को खूब पसंद आई थीं। इस सीरियल में अशनूर के साथ टीवी की मशहूर एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी भी नजर आई थीं। 'बिग बॉस 19' का प्रीमियर जियो सिनेमा और कलर्स टीवी पर हो चुका है।

सभी महिलाओं को मिलना चाहिए दूसरा मौका : सना मकबूल

मुंबई (ए.)। लंबे समय तक चुपचाप अपनी सेहत का ख्याल रखने और खुद को दोबारा तैयार करने के बाद अभिनेत्री सना मकबूल फिर से एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रही हैं। एक्ट्रेस सना ने अपनी जिंदगी के सफर को याद करते हुए कहा कि जब हालात ने उन्हें रुकने पर मजबूर किया, तो उन्हें एहसास हुआ कि महिलाएं अक्सर खुद को सबसे आखिर में रखती हैं, अपने सपनों को, अपनी सेहत को, और अपनी खुशी को भी। उन्होंने कहा, मेरे लिए महिलाओं से जुड़ी एक कहानी के साथ वापसी करना बहुत खास है। ये मेरी तरफ से एक संदेश है कि हम सबको दूसरा मौका मिलना चाहिए, और हम सबकी बात सुनी जानी चाहिए।

उनकी आने वाली वेब सीरीज महिलाओं की भावनाओं, ताकत और जज्बे पर आधारित होगी, जो सना की जिंदगी के अनुभवों से भी मेल खाती है।

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफैक्शन का इलाज करने के लिए न खाएं ये 5 चीजें

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) एक आम समस्या है, जो किसी को भी प्रभावित कर सकती है। यह तब होता है जब बैक्टीरिया मूत्र पथ में प्रवेश करते हैं और वहां बढ़ते हैं। इसके लक्षणों में पेशाब करते समय जलन, बार-बार पेशाब आना और पेशाब का रंग गंदा होना शामिल है। यूटीआई का इलाज करने के लिए कई लोग घरेलू उपाय अपनाते हैं, लेकिन कुछ खाने-पीने की चीजें इस संक्रमण को बढ़ा सकती हैं।

कैफीन युक्त चीजों से बनाएं दूरी

चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक्स जैसी कैफीन वाली चीजें मूत्राशय की मांसपेशियों को उत्तेजित करती हैं, जिससे बार-बार पेशाब की इच्छा होती है। इससे मूत्र पथ में जलन और दर्द हो सकता है। इसलिए यूटीआई के दौरान इन पेय पदार्थों का सेवन न करें। इसके बजाय पानी या नारियल पानी पिएं। नारियल पानी पीने से पेशाब का रंग साफ हो सकता है और यह संक्रमण को कम करने में मदद कर सकता है।

शराब का सेवन न करें

शराब का सेवन यूटीआई के मरीजों के लिए हानिकारक हो सकता है। शराब शरीर को पानी की कमी में डाल देती है और पेशाब की इच्छा को बढ़ा देती है, जिससे जलन और दर्द बढ़ सकता है। इसके अलावा शराब के कारण मूत्राशय की मांसपेशियां भी उत्तेजित होती हैं, जिससे समस्या और बढ़ सकती है। इसलिए यूटीआई के दौरान शराब से पूरी तरह बचना चाहिए। इसके बजाय पानी या नारियल पानी पीना बेहतर है।

मसालेदार खाना न खाएं

मसालेदार खाने से पेट में जलन हो सकती है, जिससे यूटीआई के मरीजों को परेशानी हो सकती है। मसालेदार खाने से पेट में जलन और गैस बन सकती है, जो मूत्राशय को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा मसालेदार खाने से पेशाब करते समय जलन भी बढ़ सकती है। इसलिए यूटीआई के दौरान अधिक मसालेदार खाने से बचना चाहिए। इसके बजाय हल्का और पौष्टिक खाना खाएं, जो पेट को आराम दे और संक्रमण को कम करे।

अधिक खट्टे चीजों का सेवन न करें

अधिक खट्टे चीजों जैसे नींबू या संतरे का रस भी यूटीआई के दौरान नहीं पीना चाहिए। इनका सेवन करने से पेट में जलन हो सकती है, जिससे समस्या और बढ़ सकती है। इसके अलावा खट्टे चीजों से पेशाब करते समय जलन भी बढ़ सकती है। इसलिए यूटीआई के दौरान अधिक खट्टे चीजों से बचना चाहिए। इसके बजाय पानी या नारियल पानी पीना बेहतर है, जो पेट को आराम दे और संक्रमण को कम करे।

डेयरी उत्पादों का सेवन भी है नुकसानदायक

डेयरी उत्पाद जैसे दूध, दही आदि का सेवन भी यूटीआई के मरीजों के लिए हानिकारक हो सकता है। इनमें चर्बी अधिक होती है, जो पेट में जलन पैदा कर सकती है और संक्रमण को बढ़ा सकती है। इसके अलावा डेयरी उत्पादों से पेशाब करते समय जलन भी बढ़ सकती है। इसलिए यूटीआई के दौरान डेयरी उत्पादों से बचना चाहिए। इसके बजाय हल्का और पौष्टिक खाना खाएं, जो पेट को आराम दे और संक्रमण को कम करे।

कच्चा प्याज खाने से हो सकते हैं ये नुकसान, जानें सही मात्रा

प्याज एक ऐसी सब्जी है, जो लगभग हर घर में किसी न किसी रूप में जरूर इस्तेमाल होती है। सलाद के तौर पर कच्चा प्याज खाना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि कच्चे प्याज का अधिक सेवन कई नुकसान भी पहुंचा सकता है। आइए आज हम आपको कच्चे प्याज के अधिक सेवन से होने वाले नुकसान और इसके लिए सही मात्रा के बारे में विस्तार से बताते हैं।

गैस और पेट दर्द की समस्या हो सकती है

कच्चे प्याज में फाइबर की अधिक मात्रा होती है, जिस वजह से इसका ज्यादा सेवन पाचन क्रिया पर बुरा असर डाल सकता है। इसके कारण गैस और पेट दर्द जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा कच्चे प्याज के अधिक सेवन से पेट में जलन और ऐंठन भी हो सकती है। इसलिए गैस और पेट दर्द जैसी समस्याओं से बचने के लिए कच्चे प्याज की सीमित मात्रा का सेवन करें।

शुगर का स्तर हो सकता है प्रभावित

कच्चे प्याज में कुछ ऐसे तत्व होते हैं, जो शुगर के स्तर को कम करने का काम करते हैं। हालांकि, अगर आप कच्चे प्याज का अधिक सेवन कर लेते हैं तो इससे शुगर का स्तर काफी कम हो सकता है। इससे शरीर में कमजोरी और चक्कर आने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए मधुमेह के रोगी भी सीमित मात्रा में ही कच्चे प्याज का सेवन करें।

दांतों और मसूड़ों को पहुंचा सकता है नुकसान

कच्चे प्याज का अधिक सेवन दांतों और मसूड़ों को भी नुकसान पहुंचा सकता है। इसका कारण है कि इसमें कुछ ऐसे तत्व होते हैं, जो मुंह के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। कच्चे प्याज के अधिक सेवन से मुंह में जलन हो सकती है। साथ ही मसूड़ों में सूजन और दर्द हो सकता है। इसके अलावा मुंह के छाले भी हो सकते हैं। इसलिए कच्चे प्याज का अधिक सेवन न करें।

हो सकत है सिरदर्द

अगर आपको अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है तो इसका कारण भी कच्चे प्याज का अधिक सेवन हो सकता है। इसके कारण सिरदर्द के साथ-साथ सिर में जलन और चक्कर जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपको सिरदर्द की समस्या है तो कच्चे प्याज का अधिक सेवन करने से बचें। बता दें कि कच्चे प्याज में कुछ ऐसे तत्व होते हैं, जो मुंह के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं।

कच्चे प्याज खाने की सही मात्रा

अगर आप रोजाना खाना खाते समय कच्चा प्याज खाते हैं तो आपको एक दिन में 20 से 25 ग्राम कच्चे प्याज का सेवन करना चाहिए, वहीं अगर आप सलाद के तौर पर कच्चा प्याज खाते हैं तो इसे अपनी डाइट में हफ्ते में 2 से 3 बार शामिल करना बेहतर होगा। इसके अलावा कच्चे प्याज का अधिक सेवन करने से बचें क्योंकि इससे कई समस्याएं हो सकती हैं।

किरोन पोलार्ड 14,000 टी-20 रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली,(ए)। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर किरोन पोलार्ड टी-20 में 14,000 रन पूरे करने वाले दुनिया के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में गुरुवार रात को अपनी टीम त्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए बारबाडोस रॉयल्स के मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की है। पोलार्ड मैच में 9 गेंदों पर नाबाद 19 रन बनाकर नाबाद रहे। ऐसे में आइए पोलार्ड के टी-20 करियर और आंकड़ों पर नजर डालते हैं।

इस उपलब्धि के साथ पोलार्ड टी-20 क्रिकेट में 14,000 से अधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि हासिल करने वाले एकमात्र अन्य खिलाड़ी पोलार्ड के पूर्व वेस्टइंडीज टीम के साथी क्रिस गेल हैं। गेल ने जहां 463 मैचों में 14,562 रनों के साथ अपने टी-20 करियर का अंत किया था, वहीं पोलार्ड ने अब 712 मैचों में 31.67 की औसत से कुल 14,000 रन बना लिए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 150.97 की रही है।

पोलार्ड ने अपने टी-20 करियर में एक शतक और 64 अर्धशतक लगाए हैं। वह इस प्रारूप में 600 से ज्यादा मैच खेलने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने टी-20 क्रिकेट में 942 छक्के लगाए हैं। उनसे ज्यादा छक्के केवल गेल (1,056) ने ही लगाए हैं। पोलार्ड अपने टी-20 करियर में 19 टीमों के लिए खेले हैं। उन्होंने 101 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 25.30 की औसत से 1,569 रन बनाए हैं। इसी तरह उन्होंने 63 पारियों में 42 विकेट भी चटकाए हैं।

पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए 189 मैचों में 28.67 की औसत से कुल 3,412 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 107 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 69 विकेट भी चटकाए हैं। सीपीएल में पोलार्ड ने 3 टीमों के लिए 130 मैचों की 118 पारियों में 33.96 की औसत से 2,955 रन बनाए हैं। इसी तरह 69 पारियों में 61 विकेट भी अपने नाम किए हैं।

इस महीने की शुरुआत में पोलार्ड सीपीएल इतिहास में 200 छक्के (अब 204) लगाने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी बने थे। इस उपलब्धि के साथ पोलार्ड 2 प्रमुख फ्रैंचाइजी-आधारित टी-20 लीगों में 200 से अधिक छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने इससे पहले आईपीएल में यह उपलब्धि हासिल की थी। पोलार्ड ने आईपीएल करियर का अंत 223 छक्कों के साथ किया था। वह ड्वेन ब्रावो के साथ कुल 17 टी-20 खिताब जीतने वाले खिलाड़ी भी हैं।

दलीप ट्रॉफी 2025: यश दुल ने जड़ा 8वां प्रथम श्रेणी शतक, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली(ए)। दलीप ट्रॉफी 2025 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में नॉर्थ जोन के बल्लेबाज यश दुल ने ईस्ट जोन के खिलाफ अपनी दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। यह उनके प्रथम श्रेणी करियर का 8वां शतक रहा, जिसे उन्होंने 112 गेंदों में पूरा किया। उनकी इस पारी की बदौलत नॉर्थ जोन की टीम ने मैच में बड़ी बढ़त हासिल करते हुए अपनी स्थिति मजबूत कर ली। आइए दुल की पारी और प्रथम श्रेणी आंकड़ों पर नजर डालते हैं।

नॉर्थ जोन को दूसरी पारी में 53 रन के कुल स्कोर शुभम खजौरिया (21) के रूप में पहला झटका लग गया था। इसके बाद बल्लेबाजी पर आए दुल ने कप्तान अंकित कुमार के साथ पारी को आगे बढ़ाया। इस दौरान दोनों ने अपने अर्धशतक पूरे किए बाद में दुल ने उसे शतक में तब्दील कर दिया। दोनों के बीच 150 रन से अधिक की साझेदारी हो चुकी है। दुल अब तक 11 चौके और 2 छक्के जड़ चुके हैं।

दुल ने अपने प्रथम श्रेणी करियर में अब तक 31 मैच खेले हैं, जिसमें 51 पारियों में 45 से अधिक की औसत के साथ 2,154* से अधिक रन बना लिए हैं। इस बीच उन्होंने 8 शतक के अलावा 6 अर्धशतक भी लगाए हुए हैं। इस प्रारूप में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 200 रन रहा है। दुल ने रणजी ट्रॉफी 2022 में अपने डेब्यू मैच की दोनों पारियों में शतक (बनाम तमिलनाडु क्रिकेट टीम) लगाने का कारनामा किया था।

IPL 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स में बड़ा उलटफेर, हेड कोच राहुल द्रविड़ ने अचानक छोड़ा पद

जयपुर (आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 2026 सीजन से पहले राजस्थान रॉयल्स के खेमे से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। टीम के हेड कोच और भारतीय क्रिकेट के दिग्गज राहुल द्रविड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस बड़े बदलाव की जानकारी अपने प्रशंसकों को दी।रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला खुद राहुल द्रविड़ का है। हालांकि उनके इस अचानक लिए गए फैसले के पीछे की वजहों को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है, जिसमें पिछले सीजन में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन को भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है।

राहुल द्रविड़ की देखरेख में IPL 2025 में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। टीम 14 मैचों में से केवल 4 में ही जीत हासिल कर सकी और 10 मुकाबलों में हार के साथ पॉइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर रही थी। सीजन के दौरान कप्तान संजू सैमसन और कोच द्रविड़ के बीच अनबन की खबरें भी मीडिया में आई थीं, हालांकि उस समय दोनों ने इन खबरों का खंडन किया था। राजस्थान रॉयल्स ने एक प्रेस रिलीज जारी कर द्रविड़ के योगदान की सराहना की। फ्रेंचाइजी ने कहा, राजस्थान रॉयल्स आज ऐलान कर रही है कि हेड कोच राहुल द्रविड़ आईपीएल 2026 से पहले अपना कार्यकाल खत्म कर रहे हैं। राहुल कई सालों से रॉयल्स की यात्रा के केंद्र में रहे हैं। उनके नेतृत्व ने खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को प्रभावित किया है। फ्रेंचाइजी ने यह भी खुलासा किया कि राहुल को एक बड़े पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं करने का फैसला किया। टीम ने द्रविड़ की सेवाओं के लिए उनका हार्दिक धन्यवाद किया। राहुल द्रविड़ की राजस्थान रॉयल्स में यह दूसरी पारी थी। वह T20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ने के बाद रॉयल्स से जुड़े थे। इससे पहले, वह 2011 से 2013 तक एक खिलाड़ी के तौर पर और 2015 तक मेंटर के रूप में टीम का हिस्सा रह चुके हैं। उनके अचानक जाने से फ्रेंचाइजी को अब IPL 2026 की नीलामी से पहले एक नए कोच की तलाश करनी होगी।

सांसद खेल महोत्सव-2025 का शुभारंभ, बढ़-चढ़ कर भाग लें युवा साथी : अनुराग सिंह ठाकुर

शिमला (आरएनएस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने आज राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा निखारने व उन्हें प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए सांसद खेल महोत्सव-2025 के शुरुआत की घोषणा कर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से इसके विस्तृत रूप-रेखा की जानकारी साझा की है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा खेल सिर्फ़ मनोरंजन का नहीं बल्कि खुद को फिट रखने का सबसे सरल माध्यम है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं और नागरिकों को फिटनेस की ओर प्रेरित करने के लिए 'एक घंटा खेल के मैदान में' का आह्वान किया है। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की 120वीं जयंती के उपलक्ष्य में होने वाले इस सांसद खेल महोत्सव से युवाओं में खेल भावना का विकास होगा व साथ ही फिट इंडिया मुहिम को भी बढ़ावा मिलेगाअनुराग सिंह ठाकुर ने कहा आज देश भर में सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत की जा रही है मगर हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए ये आयोजन नया नहीं है। पूर्व में सांसद खेल महाकुंभ नाम से इस आयोजन के 3 संस्करण में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के हज़ारों खिलाड़ी पहले ही भाग ले चुके हैं।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में भारतीय जोड़ी का शानदार प्रदर्शन

सात्विक-चिराग की जोड़ी को पदक मिलना तय

नईदिल्ली,(ए.)। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में शुक्रवार को भारतीय दल को मिली दो निराशाओं के बाद, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने सकारात्मक परिणाम हासिल किया. इन दोनों खिलाड़ियों को अब पदक मिलना कंफर्म हो गया है, क्योंकि इन्होंने क्वार्टर फाइनल में मलेशियाई जोड़ी को 21-12, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। इसके साथ ये जोड़ी विश्व चैंपियनशिप में कोई पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे. जबकि सिंधु और साइना के बाद बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले केवल ये तीसरे भारतीय बन गए हैं. इसके अलावा टोक्यो 2022 में कांस्य पदक जीतने वाली इस भारतीय जोड़ी के लिए यह दूसरा पदक होगा। इससे पहले, मिक्स्ड डबल में भारतीय जोड़ी ध्रुव कपिला और तनिषा कास्त्रो क्वाडर फाइनल में हार गई थी और दो बार की ओलंपिक विजेता पीवी सिंधु भी विश्व की नौवें नंबर की खिलाड़ी पुत्री कुसुमा से क्वाटर फाइनल हारकर वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो गई थी. मैच की बात करें तो विश्व की नौवें नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने शानदार शुरुआत की, उन्होंने 11- 6 की बढ़त के साथ पहला गेम आसानी से जीत लिया. दूसरे गेम में, भारतीयों ने अपने लगातार आक्रमण से मलेशियाई जोड़ी को बैकफुट से खेलने पर मजबूर कर दिया. लेकिन मलेशियाई जोड़ी ने ब्रेक के बाद जवाबी हमला किया, जिससे खेल एक करीबी मुकाबले में बदल गया। मलेशियाई जोड़ी ने फ्लैट रिटर्न के साथ वापसी की और नेट के पास से अंक अर्जित किए, जब भारतीय जोड़ी 17-11 से खेल में आगे थी. उन्होंने अपने फ्लैट रिटर्न के साथ वापसी की, और जल्द ही स्कोर 19-19 हो गया. हालांकि, भारतीय टीम ने निर्णायक मोड़ पर वापसी की और दो अंक हासिल कर मुकाबला जीत लिया.

हॉकी वर्ल्ड कप खेलने भारत आएगी पाकिस्तानी टीम, भारत से होगा ग्रुप स्टेज में 'महामुकाबला'

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव और हालिया आतंकी हमलों के बाद बने तल्ख माहौल के बीच, खेल के मैदान से एक बड़ी और सकारात्मक खबर सामने आई है। पाकिस्तान ने इस साल के अंत में भारत में होने वाले FIH जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। यह फैसला इसलिए भी अहम है क्योंकि कुछ ही समय पहले पाकिस्तान की सीनियर टीम ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में चल रहे हॉकी एशिया कप से अपना नाम वापस ले लिया था।हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने शनिवार को इस बात का ऐलान किया कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने FIH जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में अपनी टीम भेजने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। उन्होंने इसे खेल की भावना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह प्रतिष्ठित अंडर-21 टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा मंच प्रदान करता है।

गौरतलब है कि हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले और उसके जवाब में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद दोनों देशों में तनाव चरम पर है। इसी तनाव और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने बिहार के राजगीर में चल रहे हॉकी एशिया कप 2025 में अपनी सीनियर टीम को भेजने से इनकार कर दिया था। लेकिन अब जूनियर वर्ल्ड कप के लिए टीम भेजने का फैसला दोनों देशों के खेल संबंधों के लिए एक अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। FIH जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन इस साल 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में किया जाएगा, जिसमें दुनिया भर की 24 टीमें हिस्सा लेंगी। हॉकी प्रेमियों के लिए सबसे बड़ी खबर यह है कि मेजबान भारत और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को एक ही पूल-बी में रखा गया है। इस ग्रुप में उनके साथ चिली और स्विट्जरलैंड को टीमें भी हैं। इस ड्रॉ के साथ ही ग्रुप स्टेज में भारत और पाकिस्तान के बीच एक हाई-वोल्टेज 'महामुकाबला' होना तय हो गया है। पीडित होते हैं। जब तक शीर्ष सत्ता के गलियारों में जवाबदेही नहीं आती, पाकिस्तान एक ऐसा देश बना रहेगा।

अंतर्राष्ट्रीय समाचार

चांद पर फिर जाएगा भारत, चंद्रयान-5 मिशन में जापान होगा साझीदार; 10 ट्रिलियन येन के निवेश का भी ऐलान

टोक्यो (आरएनएस)। भारत ने अपने महत्वाकांक्षी चंद्र मिशन को एक नई ऊंचाई देते हुए चंद्रयान-5 के लिए जापान के साथ हाथ मिलाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को टोक्यो में इस ऐतिहासिक सहयोग की घोषणा की। यह मिशन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जाएगा।

यह महत्वपूर्ण घोषणा प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद एक संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग के दौरान की। दोनों देशों ने अगले एक दशक के लिए अपनी रणनीतिक साझेदारी का एक विस्तृत रोडमैप भी तैयार किया है, जिसमें जापान द्वारा भारत में 10 ट्रिलियन येन (लगभग 5.25 लाख करोड़ रुपये) के निवेश का लक्ष्य भी शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरिक्ष सहयोग पर जोर देते हुए कहा, हम चंद्रयान-5 मिशन के लिए इसरो और JAXA के बीच सहयोग का स्वागत करते हैं। हमारी सक्रिय भागीदारी अब पृथ्वी की सीमाओं से परे जा चुकी है और यह अंतरिक्ष में मानव जाति की प्रगति का प्रतीक बनेगी।

अपनी जापान यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री इशिबा के साथ हुई बातचीत को उपयोगी और उद्देश्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, हमने अगले दशक के लिए सहयोग का एक मजबूत रोडमैप तैयार किया है। हमने निवेश, नवाचार और आर्थिक सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग के लिए 10-वर्षीय योजना बनाई है।

पूर्व एनएसए ने सुनाई खरी-खरी कहा- भारत और चीन को दोस्त बनने के लिए मजबूर कर रहे हैं ट्रंप

वाशिंगटन (ए)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भारत के खिलाफ आक्रामक टैरिफ नीति अपनाने के लिए ट्रंप प्रशासन की आलोचना की है। उनके मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति अपनी इन नीतियों की वजह से भारत को जानबूझकर चीन की ओर धकेल रहे हैं, जो कि अमेरिका के हितों के बिल्कुल विपरीत है। पूर्व अमेरिकी अधिकारी का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। अमेरिका ने भारत के ऊपर 25 फीसदी का व्यापार टैरिफ और रूसी तेल खरीदने के लिए 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया गया है। ट्रंप प्रशासन की तरफ से लगातार भारत को निशाना बनाया जा रहा है।

भारत ने इसका भरपूर विरोध किया है। और अपने किसानों के हितों और संप्रभुता को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने की बात कही है।

बाइडेन के समय में सुरक्षा सलाहकार रहे सुलिवन ने दुनियाभर के देशों में अमेरिका के प्रति बढ़ते अविश्वास के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज हमारे सहयोगी देश हमें एक विघटनकारी देश के रूप में देखते हैं, आज चीन लोकप्रियता और स्थायी नीतियों के मामले में हमसे आगे निकल गया है। उन्होंने कहा, जब मैं अब इन जगहों पर जाता हूं और नेताओं से बात करता हूं, तो वे संयुक्त राज्य अमेरिका से जोखिम कम करने की बात कर रहे होते हैं। वह अब अमेरिका को एक विघटनकारी देश के रूप में देखते हैं, जिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। आज हालात यह हैं कि चीन वैश्विक स्तर पर एक लोकप्रिय खिलाड़ी है, जबकि हमारा अमेरिकी ब्रांड टॉयलेट में नजर आता है।

अमेरिका में पंजाबी युवक को पुलिस ने गोलियों से भूना, सरेआम लहरा रहा था हथियार

वाशिंगटन (ए)। अमेरिका के लॉस एंजेलिस में सिख समुदाय के एक युवक को पुलिस ने गोली मार दी। वह बीच सड़क पर तलवार लहरा रहा था। अमेरिका में रहते सिख समुदाय का दावा है कि वह गतका कर रहा था। इस पूरे मामले की वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है।

मृतक की पहचान गुरप्रीत के रूप में हुई है। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। लॉस एंजिल्स पुलिस डिपार्टमेंट एलएपीडी के अनुसार डाउनटाउन में क्रिप्टो डॉट कॉम एरिना के पास गुरप्रीत सिंह सड़क पर लोगों को धारदार हथियार दिखाकर धमका रहा था। पुलिस ने उसे हथियार छोड़ने के लिए कहा, लेकिन उसने बात नहीं मानी।यह घटना 13 जुलाई की सुबह हुई थी, लेकिन हाल ही में पुलिस ने इसका बॉडीकैम वीडियो जारी किया।

ट्रंप कहां हो गए 'लापता'? अमेरिकी राष्ट्रपति के गायब होने की अफवाहों से हड़कंप, व्हाइट हाउस ने साधी चुप्पी

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अचानक सार्वजनिक जीवन से दूर हो जाने के कारण अमेरिका में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है और अटकलों का बाजार गर्म है। पिछले कई दिनों से उनके स्वास्थ्य को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच, अब उनके कथित तौर पर 'लापता' होने की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही हैं। राष्ट्रपति ट्रंप, जो आमतौर पर मीडिया में सक्रिय रहते हैं और लगभग हर दिन कोई न कोई बयान देते हैं, पिछले करीब दो दिनों से पूरी तरह से शांत हैं। उनकी कोई सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज नहीं की गई है। ऑनलाइन चर्चाओं और गुमनाम सोशल मीडिया अकाउंट्स द्वारा यह दावा किया जा रहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति 'सार्वजनिक परिदृश्य से गायब' हो गए हैं। मामले को और हवा इस बात से मिल रही है कि आज यानी 30 अगस्त और कल 31 अगस्त के लिए उनके किसी भी आधिकारिक सार्वजनिक कार्यक्रम का कोई उल्लेख नहीं है। इन अटकलों पर अब तक व्हाइट हाउस की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी या स्पष्टीकरण नहीं आया है। प्रशासन की इस चुप्पी ने बेचैनी और बढ़ा दी है, जिससे सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों को और बल मिल रहा है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये सभी खबरें फिलहाल अपुष्ट स्रोतों पर आधारित हैं और किसी भी मुख्यधारा के मीडिया या आधिकारिक चैनल ने इसकी पुष्टि नहीं की है।बहरहाल, जब तक व्हाइट हाउस इस मामले पर कोई बयान जारी नहीं करता, तब तक अमेरिकी राजनीति और मीडिया में डोनाल्ड ट्रंप की अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठते रहने की पूरी संभावना है।

रूस का यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला: 540 ड्रोन और 45 मिसाइलों से दहलाए 14 शहर, भीषण तबाही

कीव(आरएनएस)। रूस ने शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक यूक्रेन पर इस साल के सबसे बड़े और विनाशकारी हमलों में से एक को अंजाम दिया है। करीब 540 ड्रोन और 45 मिसाइलों के ताबड़तोड़ हमले से यूक्रेन के 14 शहर दहल उठे, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन बच्चों समेत 24 लोग घायल हो गए। इस भीषण हमले ने रिहायशी इमारतों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को भारी नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले की भयावहता बताते हुए कहा कि रूस ने एक बार फिर आम नागरिकों के घरों को निशाना बनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि सबसे ज्यादा तबाही जापोरिज्झिया शहर में हुई, जहां एक पांच मंजिला रिहायशी इमारत पर सीधा मिसाइल हमला हुआ। इस हमले के बाद शहर की बिजली गुल हो गई और करीब 25,000 लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए। स्थानीय गवर्नर इवान फेदोरोव ने बताया कि धमाकों से कई इलाकों में आग लग गई और दर्जनों लोग घायल हुए। राष्ट्रपति जेलेंस्की के अनुसार, वोलिन, डोनबास, खार्किव और कीव समेत 14 क्षेत्रों को निशाना बनाया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि रूस ने कूटनीतिक बातचीत के लिए मिले समय का इस्तेमाल हमले की तैयारी में किया। जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कड़ी अपील करते हुए कहा, रूस के खिलाफ केवल बयानों से काम नहीं चलेगा, बल्कि उसके बैंकिंग और ऊर्जा क्षेत्र पर कड़े प्रतिबंध लगाने होंगे। अगर रूस को रोका नहीं गया तो वह लगातार ऐसे ही हमले करता रहेगा।

इस हमले के जवाब में यूक्रेन ने भी पलटवार करते हुए रूस की दो प्रमुख तेल रिफाइनरियों पर ड्रोन से हमला किया। दक्षिणी रूस के क्रास्नोदार और सामारा के सिजरान इलाके में स्थित रिफाइनरियों में धमाकों और आग लगने की खबरें हैं। रूसी अधिकारियों ने क्रास्नोदार रिफाइनरी में ड्रोन के मलबे से आग लगने की पुष्टि की है। वहीं, रूस के रक्षा मंत्रालय ने 11 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराने का दावा किया है।यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब शांति वार्ता की कोशिशें लगभग ठप पड़ी हुई हैं। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की थी, लेकिन रूस ने पुतिन और जेलेंस्की के बीच सीधी बैठक की किसी भी संभावना से इनकार कर दिया था।

यूक्रेन युद्ध के लिए मोदी जिम्मेदार नहीं', यूएस में ही होने लगी ट्रंप के अधिकारियों की आलोचना

वाशिंगटन (आरएनएस)। रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल खरीदने को लेकर अमेरिका में भारत पर हो रहे हमलों के बीच एक प्रभावशाली अमेरिकी-यहूदी समर्थक समूह भारत के पक्ष में खड़ा हो गया है। समूह ने ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों द्वारा की जा रही आलोचना की निंदा करते हुए साफ कहा है कि यूक्रेन संकट के लिए भारत को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

अमेरिका के सबसे पुराने यहूदी समर्थक समूहों में से एक, अमेरिकन ज्यूइश कमेटी (AJC) ने शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों के बयानों पर हैरानी जताते हुए अमेरिका-भारत संबंधों को फिर से पटरी पर लाने का आह्वान किया।

यह मामला तब गरमाया जब व्हाइट हाउस के पूर्व व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने रूस-यूक्रेन संकट को मोदी का युद्ध करार दे दिया। ट्रंप प्रशासन से जुड़े अधिकारी लगातार यह आरोप लगा रहे हैं कि भारत द्वारा खरीदे जा रहे रूसी तेल से मिले पैसों का इस्तेमाल राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कर रहे हैं। AJC ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह अमेरिकी अधिकारियों की ओर से भारत पर किए गए जुबानी हमलों से बहुत हैरान और चिंतित है। समूह ने नवारो की टिप्पणी को एक अपमानजनक आरोप बताया।संगठन ने अपनी पोस्ट में लिखा, हमें ऊर्जा के लिए जरूरतमंद भारत की रूसी तेल पर निर्भरता पर खेद है, लेकिन भारत पुतिन के युद्ध अपराधों के लिए जिम्मेदार नहीं है। यह एक सहयोगी लोकतांत्रिक देश और अमेरिका का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा में इसकी एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर कलेक्टर-एसपी ने टेबल टेनिस खेलकर खिलाड़ियों को किया प्रोत्साहित

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिलेभर में अनेक खेल गतिविधियां आयोजित

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर चर्च ग्राउंड स्थित इंडोर हॉल परिसर में अनेक खेल गतिविधियां एवं कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर बालागुरू के. तथा एसपी दीपक कुमार शुक्ला शामिल हुए। इस अवसर पर कलेक्टर बालागुरू के. और एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने खेल गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को स्पोर्ट्स सामग्री किट भी प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए टेबल टेनिस भी खेला। कार्यक्रम में कलेक्टर बालागुरू के. तथा एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने कहा कि खेल केवल जीत-हार का नाम नहीं है, बल्कि खेल जीवन में अनुशासन, धैर्य और सहयोग की भावना का पाठ पढ़ाते हैं। खेलों से न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि मानसिक मजबूती भी आती है। उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उसे जीवन की चुनौतियों से लड़ने की शक्ति देते हैं। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों और विद्यार्थियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कलेक्टर और एसपी द्वारा टेबल टेनिस खेलने से खिलाड़ियों का जोश और भी दोगुना हो गया। इस अवसर पर सभी को खेल गतिविधियों से जुडकर स्वयं को स्वस्थ बनाने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर खेल अधिकारी श्रीमती रूबिका देवान, मनोज कनौजिया, सूबेदार प्राची राजपूत सहित प्रशिक्षक एवं खिलाडी उपस्थित थे। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर इंडोर खेल परिसर के साथ ही जिलेभर में अनेक खेल गतिविधियां आयोजित की गईं।

राष्ट्रीय खेल दिवस के दूसरे दिन जिलेभर में आयोजित की गई अनेक खेल गतिविधियां एवं कार्यक्रम

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिलेभर में तीन दिवसीय खेल गतिविधियां एवं कार्यक्रम आयोजित किए जार हैं। इसके तहत राष्ट्रीय खेल दिवस के दूसरे दिन 30 अगस्त को जिलेभर में अनेक खेल गतिविधियां एवं कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, नागरिक एवं खिलाड़ी शामिल हुए। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिलेभर में किए गए इन आयोजनों का उद्देश्य नागरिकों में खेलों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। जिले के विभिन्न स्थानों पर खेलों का आयोजन किया गया। स्कूलों, कॉलेजों, और सामुदायिक केंद्रों में बच्चों और युवाओं के बीच विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ हुईं। इनमें दौड़, कबड्डी, फुटबॉल, बैडमिंटन, और वॉलीबॉल जैसी गतिविधियां प्रमुख रही। बुधनी में आयोजित कार्यक्रम में विधायक रमाकांत भार्गव ने कहा कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि देश की एकता, शक्ति और युवा शक्ति का प्रतीक भी हैं कार्यक्रमों में विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को सम्मानित भी किया गया। इन पुरस्कारों से खिलाड़ियों के आत्मविश्वास में वृद्धि हुई और उन्होंने आगामी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने का संकल्प लिया।

ग्राम छतरपुर में उमड़ा आस्था का सैलाब, कलश यात्रा निकाली

सत चित आनंद स्वरूप ही भगवान, जो सत्य बोलता है : पं. अजय पुरोहित

सीहोर (निप्र)। शनिवार को ग्राम छतरपुरा में संगीतमय सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आरंभ भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। इस मौके पर ग्राम सहित आस-पास के हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल थे। कथा के पहले दिन पं. अजय पुरोहित ने कहा कि सत चित आनंद स्वरूप ही भगवान है जो सत्य बोलते है। भगवान का स्वरूप सच्चिदानंद है, सत चित आनंद स्वरूप ही भगवान है, जो सत्य बोलता है। जो भगवान की छवि को अपने चित में रखता है। सत्य ही धर्म है, चित्त आनंद का अर्थ है कि सत्य ही मूल धर्म है, और चित्त का आनंद ही परम सत्य है। यहां सत्य का अर्थ केवल वचनों की सच्चाई ही नहीं, बल्कि प्रकृति के नियम और स्वभाव भी हैं। वहीं चित्त आनंद या सच्चिदानंद ब्रह्म का वह स्वरूप है, जहाँ

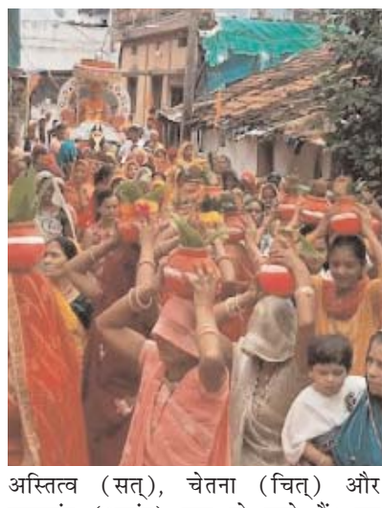

अस्तित्व (सत्), चेतना (चित्) और परमानंद (आनंद) एक हो जाते हैं। इस प्रकार, सत्य और आनंद के अनुभव के माध्यम से व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप यानी ब्रह्म को पा सकता है।

उन्होंने कहाकि भागवत धर्म सिखाता है कि मनुष्य आनंद को बाहर खोजने की बजाय अपने भीतर ही ढूंढना चाहिए. आनंद आत्मा का स्वरूप है, और इसे अनुभव करने के लिए आत्म-मंथन की आवश्यकता होती है। सत चित आनंद स्वरूप भगवान की छवि को अपने चित में रखता है। आनंद से प्रेमपूर्वक सरलता से सभी से मिलता है, सरल, सहज रहता है वही परमात्मा को प्राप्त करता है। जिस जीव के जीवन में वाणी में सत्यता व्यवहार में सरलता और चित में निरंतर परमात्मा का स्मरण करता रहता है, वह जीव इस भवसागर से पार हो जाता है। कथा के पहले दिन कलश यात्रा में प्रमुख रूप से भाजपा के वरिष्ठ नेता मायाराम गौर, सरपंच राम सिंह जागीदार, दयाप्रसाद जागीदार और प्रीतम गौर आदि शामिल थे। ग्राम छतरपुर में भागवत कथा दोपहर बारह बजे से दोपहर तीन बजे तक की जाएगी।

"परिचय" में ऑनलाईन दर्ज कर सकेंगे अपने गोपनीय प्रतिवेदन में स्व-मूल्यांकन

उच्च शिक्षा विभाग में गोपनीय प्रतिवेदन भरने के लिए नए दिशा निर्देश

सीहोर (निप्र)। आयुक्त उच्च शिक्षा ने विभाग अंतर्गत शासकीय महाविद्यालयों एवं संचालनालय में पदस्थ शैक्षणिक/ गैर-शैक्षणिक अधिकारियों/कर्मचारियों के गोपनीय प्रतिवेदनों के मूल्यांकन एवं गोपनीय प्रतिवेदन ऑनलाईन प्रणाली से भरे जाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने ऑनलाईन प्रणाली लागू करते हुए, प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी संवर्ग के अधिकारियों के लिए ऑनलाईन मूल्यांकन प्रणाली के संबंध में निर्देश दिए हैं। वर्ष 2024-25 के गोपनीय प्रतिवेदन ऑनलाईन भरकर निर्धारित प्रणाली अनुसार, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के अनुपालन में कार्यवाही पूर्ण की जाएगीप्रशासकीय विभाग के निर्देशों के अनुपालन में उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालयों एवं संचालनालय में पदस्थ राजपत्रित अधिकारी वर्ष 2024-25 के लिए अपने गोपनीय प्रतिवेदन में स्वमूल्यांकन ऑनलाइन दर्ज करेंगे। ऑनलाईन गोपनीय प्रतिवेदन के लिए परिचय (Parichay) पर लॉगिन कर स्पैरो सॉफ्टवेयर (SPARROW Software) से लिंक https://education mpsparrow.gov.in पर जाना होगा। Parichay पर लॉगिन करने के लिए अधिकारी/कर्मचारी को क्रमबद्ध प्रकिया से गुजरना होगा। प्रथम बार लॉगिन करने के लिए Parichay पर स्वयं की शासकीय ई-मेल आई.डी एवं पासवर्ड का ही उपयोग करना होगा। स्वयं के मोबाईल नम्बर एवं मोबाईल OTP के माध्यम से भी Parichay पर लॉगिन किया जा सकता है।

शिक्षक पुरस्कार समारोह में श्रेष्ठ कार्य करने पर सम्मानित होंगे शिक्षक

स्कूल शिक्षा विभाग ने की घोषणा शिक्षक दिवस पर होंगे सम्मानित

सीहोर (निप्र)। प्रदेश में 5 सितम्बर शिक्षक दिवस पर भोपाल में होने वाले राज्य स्तरीय शिक्षक समारोह में 14 शिक्षकों को उनके द्वारा श्रेष्ठ कार्य करने पर सम्मानित किया जायेगा। पुरस्कृत शिक्षकों को 25 हजार रुपये की सम्मान निधि, शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया जायेगा। सम्मानित शिक्षकों में प्राथमिक, माध्यमिक श्रेणी के 8 और उच्चतर माध्यमिक श्रेणी के 6 शिक्षक शामिल हैं। गत वर्ष 2024 में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को भी सम्मानित किया जायेगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने दी बधाई

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार के लिये चयनित शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा है कि आज जिन शिक्षकों का चयन उनके श्रेष्ठ कार्यों की वजह से हुआ है, वे अन्य शिक्षकों के लिये प्रेरणा का काम करेंगे। जिन प्राथमिक शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा, उनमें शासकीय प्राथमिक शाला बिसोनिया, गुना के जितेन्द्र शर्मा, शासकीय उ.मा.वि. क्रमांक-2, शाजापुर के दिलीप जायसवाल, ई.पी.ई.एस., भाटीवाडा, सिवनी के दिलीप कटरे, शासकीय प्राथमिक विद्यालय, बसिया, दमोह के श्रीकांत कुर्मी, शासकीय उ.मा.वि., रुस्तमपुर, खण्डवा की माध्यमिक शिक्षक श्रीमती श्रद्धा गुप्ता, शासकीय माध्यमिक विद्यालय, सतौआ, दमोह के मोहन सिंह गौंड, शासकीय माध्यमिक शाला, चंदेसरा, उज्जैन के अपूर्व शर्मा और शासकीय माध्यमिक शाला, उबालाद, अलीराजपुर के उच्च श्रेणी शिक्षक धनराज वाणी शामिल हैं। ये चयनित शिक्षक कक्षा-1 से 8 की कक्षाओं में विद्यार्थियों को पढाने का कार्य कर रहे हैं।

अब आयुष्मान सखी वॉट्सएप चैटबाट पर मैसेज करके पा सकते हैं आयुष्मान योजना से जुड़ी सारी जानकारी

सीहोर (निप्र)। आयुष्मान भारत निरामय योजना का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को दिलाने के उद्देश्य से आयुष्मान सखी व्हाट्सएप चैट बाट की शुरुआत की गई है। इसे आयुष्मान सखी के नाम दिया गया है। आयुष्मान सखी एक व्हाट्सएप डिजिटल हेल्प डेस्क है जो मध्य प्रदेश राज्य स्वास्थ्य एजेंसी के द्वारा MPseDC के सहयोग से विकसित की गई है। यह 24*7 सेवा है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति व्हाट्सएप नंबर 0755-2762582 पर नमस्ते या Hi मैसेज भेजकर आयुष्मान भारत योजना से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकता है। इसमें कई विकल्प दिखाई देते हैं जिन्हें चुनकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

भव्य रूप से किया जाएगा हनुमान मंदिर का निर्माण

सीहोर (निप्र)। शहर के बस स्टैंड पर भव्य हनुमान मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। यहां पर बाहर के कलाकारों के द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा है। पंडित दुर्गा प्रसाद कटारे की प्रेरणा और मार्गदर्शन एवं समिति अध्यक्ष समाजसेवी रुद्र कुमार राठौर सहित समस्त नगरवासियों के सहयोग से बस स्टैंड पर सिद्ध हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य अंतिम चरणों में चल रहा है। जीर्णोद्धार के बाद भव्य स्वरूप लिए इस मंदिर की आवश्यकता अनुरूप अध्यक्ष एवं समिति द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार पंडित श्री कटारे बाबा के मार्गदर्शन में उनके साथ महेश मीणा, दुर्गेश तिवारी और गुड्डू विश्वकर्मा ने चीचली जिला नरसिंहपुर से मंदिर के लिए आवश्यक सामग्री,दो विशालकाय घंटे जिनका वजन 240 किलोग्राम है के साथ एक गदा, कलश, शंख सहित अन्य सामग्री लेकर मंदिर पहुंचे। मंदिर पर अध्यक्ष सहित उपस्थित समिति के सदस्यों एवं पुजारी एवं भक्तजनों ने सभी का स्वागत किया और अगली कार्ययोजना पर चर्चा की।

कार्यालय वनमण्डल सीहोर

☎ (957562) 222767 फैक्स 957562 (223815) E-Mail dfot.seh@mp.gov.in

विज्ञप्ति

संक्षिप्त निविदा सूचना (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय)

(वन अपराध प्रकरणों में अंतिम रूप से राजसात वाहनों के विक्रय हेतु निविदाओं का आमंत्रण)

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि वनमंडल सीहोर के अंतर्गत वन अपराध प्रकरणों में अंतिम रूप से जप्तशुदा राजसात कंडम वाहनों को जहाँ है, जैसा है उसी स्थिति में है कि आधार पर निवर्तित किए जाने हेतु निम्न समय सारणी अनुसार अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता के नाम बंद लिफाफे में निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.			
1.	निविदा का प्रथम चरण निविदा फार्म भरने का अंतिम दिनांक 09.09.2025 समय प्रात: 11:30 बजे तक	निविदा फार्म जमा करने का दिनांक 09.09.2025 दोपहर 01:00 बजे तक	निविदा फार्म खोलने का दिनांक 09.09.2025 दोपहर 03:00 बजे निविदाकारों के समक्ष
2.	निविदा का द्वितीय चरण निविदा फार्म भरने का अंतिम दिनांक 16.09.2025 समय प्रात: 11:30 बजे तक	निविदा फार्म जमा करने का दिनांक 16.09.2025 दोपहर 01:00 बजे तक	निविदा फार्म खोलने का दिनांक 16.09.2025 दोपहर 03:00 बजे निविदाकारों के समक्ष
3.	निविदा का तृतीय चरण निविदा फार्म भरने का अंतिम दिनांक 23.09.2025 समय प्रात: 11:30 बजे तक	निविदा फार्म जमा करने का दिनांक 23.09.2025 दोपहर 01:00 बजे तक	निविदा फार्म खोलने का दिनांक 23.09.2025 दोपहर 03:00 बजे निविदाकारों के समक्ष

प्रत्येक निविदाकार को प्रत्येक वाहन हेतु निविदा के साथ दो पहिया वाहन हेतु 2000/-(दो हजार रूपये) एवं चार पहिया वाहनों हेतु 5000/-(पाँच हजार रूपये) का बैंक ड्राफ्ट प्रत्येक वाहन का पृथक-पृथक वनमण्डलाधिकारी सामान्य सीहोर के नाम पर जमानत के रूप में निविदा फार्म के साथ जमा करना होगा। यदि जमानत की राशि निर्धारित रूप में प्रस्तुत नहीं की जाती है तो निविदा अस्वीकृत कर दी जावेगी। स्वीकृत निविदाकारों की जमानत की राशि तब तक मुक्त नहीं की जावेगी जब तक उक्त वाहन का निवर्तन पूर्ण रूप से न हो जावे। निविदाओं के माध्यम से विक्रय हेतु प्रस्तावित वाहनों का विवरण निम्नानुसार है :-

वाहनों का विवरण	परिक्षेत्र सीहोर	परिक्षेत्र आष्टा	योग
मोटर सायकल	11	29	40
कार/वेन	0	2	2
जीप/पिकअप	1	2	3
ट्रक	0	1	1
ट्रेक्टर	0	1	1
कुल योग	**12**	**35**	**47**

उपरोक्त वाहनों के संबंध में जानकारी वनमण्डल कार्यालय की से प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक निविदाकार निविदाफार्म एवं शर्तें विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से कार्यालयीन समय में रूपये 200/- का बैंक ड्राफ्ट अथवा नगद राशि जमा कर वनमण्डल की वन अपराध शाखा से प्राप्त कर सकते है।

वनमण्डलाधिकारी

जी/17973/25 हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें सामान्य वनमण्डल, सीहोर

श्रद्धा भक्ति सेवा समिति ने सात विकेट से जीता मैच

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पांच दिवसीय खेल गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को इसके अंतर्गत चेयररेस और क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इस मौके पर सुबह हुए क्रिकेट मैच में श्रद्धा भक्ति सेवा समिति ने संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र को सात विकेट से हराया। वहीं रविवार को शतरंज प्रतियोगिता के अलावा एक मैच श्री राधेश्याम विहार और संस्कार मंच के मध्य खेला जाएगा। इस मौके पर खिलाडियों का उत्साहवर्धन के लिए केन्द्र के संचालक राहुल सिंह, मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी आदि मौजूद रहेंगे। शनिवार को खेले गए श्रद्ध भक्ति सेवा समिति और संकल्प नशा मुक्ति टीम के मध्य एक तरफा मुकाबला खेला गया। इसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र ने निर्धारित आठ ओवर में 123 रन बनाए थे। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेवा समिति की टीम ने सात ओवर में 124 रन बनाकर यह मैच सात विकेट से जीता इस मैच में जयदीप ने 36 गेंद पर 88 रन की पारी खेली। मैच के अंत में संचालक श्री सिंह, मनोज दीक्षित मामा, धर्मेन्द्र माहेश्वरी आदि ने पुरस्कार वितरण किए।

श्री सत्य साई प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में रोजगार मेला

37 को मिला रोजगार और फिर हुआ रोजगार मेले का सफल समापन

सीहोर (निप्र)। देश की प्रगति एवं औद्योगिक उन्नति में सदैव तत्पर रहने वाली अग्रणी संस्था श्री सत्य साईं प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्याल सीहोर के प्रांगण में निर्माण उद्योग विकास परिषद नई दिल्ली के तत्वावधान में भव्य रोजगार मेले का आयोजन किया गया, इस अवसर पर देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियॉ जैसे टाटा प्रोजेक्ट, हाक्सवेल, कल्पतरू, एडीसी स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, शिव शक्ति प्राइवेट लिमिटेड इत्यादि ने युवा बेरोजगारों को उनकी गुणवत्ता के आधार रोजगार और कौशल के समान अवसर देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

रोजगार मेले के दूसरे दिन कंपनी के सभी ऑफिशल्स ने चयनित युवाओं को कंपनी की पॉलिसी और नॉर्म्स के बारे में बताया और कंपनी का प्रेजेंटेशन रखा। सीआईडीसी के डायरेक्टर जनरल डॉ प्रिय रंजन स्वरूप ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी, संस्था के कुलगुरु प्रोफेसर मुकेश तिवारी ने बताया कि रोजगार मेले के इस आयोजन से छात्र-छात्राओं के लिए रोजगार के अवसर सुगम हुए उन्होंने सभी चयनित छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी और अगले वर्ष भी रोजगार मेले के द्वारा रोजगार के अवसर प्रदान करने की बात कही, इस समय कार्यक्रम में संस्था के कुल सचिव डॉ हेमंत शर्मा एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ संजय राठौर, सभी डीन एवं प्राचार्य, और शिक्षक गण उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार और सफल संचालन अंकित जोशी ने किया।

सोमवार से आरंभ होगी सात दिवसीय भागवत कथा

सीहोर (निप्र)। लगातार 25 सालों से निरंतर शहर के बडा बाजार स्थित अग्रवाल धर्मशाला में होने वाली सात दिवसीय भागवत कथा अग्रवाल महिला मंडल के तत्वाधान में लगातार 25 सालों से अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक प्रदीप मिश्रा के मुखारविन्द से कथा का वाचन किया जाएगा। इस बार 26 साल होने जा रहे है। यहां पर कथा पूर्ण रूप से सादगी से की जाएगी। इसको लेकर अग्रवाल समाज के द्वारा तैयारियां की जा रही है। सोमवार से आरंभ होने वाली कथा को लेकर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, महिला मंडल की अध्यक्ष रुकमणी रोहिला, सत्यनारायण मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष निलेश जयपुरिया, अजय अग्रवाल, अशोक रोहिला, राजा अग्रवाल और शैलेश अग्रवाल आदि मौजूद थे।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज) जिला सीहोर (म.प्र.)

email-modgmseh@mp.gov.in

क्रमांक/4869/खनिज/उ.प./2025, सीहोर, दिनॉक- 26/08/2025

प्रथम सूचना

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-1क)

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक **1. कुनाल सूद पिता श्री राजेंद्र पाल सूद पार्अ, सहयोग मेटल्स, पता-ई-2/42, अरेरा कालोनी, भोपाल** द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-1क के तहत उत्खनिपटटा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र क्रमश: दिनांक 18.02.2022 को प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने के उपरांत 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथा स्थिति उत्खनिपटटा अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला.	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमिस्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज का नाम	रिमार्क
सीहोर	इछावर	बामलादढ	77/1	1.121 हे.	शासकीय	क्रशर हेतु पत्थर	कुल रकबा 1.121 हे. में से. 1.121 हे. क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।
			कुल रकबा	**1.121 हे.**			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इक्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथी तक (कार्यालयीन समय सांय 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सथी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

उप संचालक

जी/17955/25 (खनिज प्रशासन)

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें जिला-सीहोर (म.प्र.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com